प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ.. सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 04 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 29 अक्टूबर 2020 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

मेरा मन मेरा मंदिर है, मैं किसी को भी अपने गंदे पांव के साथ मेरे मन से नही गुजरने दूंगा।

महात्मा गांधी

सेना को और मजबूत करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे - राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, ऐजेन्सी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के मनोबल को बढ़ाते हुए कहा कि, देश की आजादी से लेकर अब तक सेना ने देश की सुरक्षा और संप्रभुता को लेकर सामने आई हर चुनौती का डटकर सामना किया है। आतंकवाद, उग्रवाद या किसी बाहरी हमले की समस्या हो, सेना ने हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि, रक्षा मंत्रालय सेना की सुविधा और सभी क्षेत्रों में उनकी भूमिका को और दृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने कहा कि, हम अपनी सेना की शक्ति को बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

पापा के पप्पू ने जनता के पैसे किए खर्च- कंगना

मुम्बई, एजेन्सी। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार और मुंबई महानगर पालिका पर निशाना साधा है। दरअसल बीएमसी ने कंगना के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहे वकील को 82 लाख रुपए का भुगतान किया था, इस पर कंगना ने तंज कसते हुए कहा, 'पापा के पप्पू ने जनता के पैसे खर्च किए।

मुंबई के आरटीआई एक्टिविस्ट शरद यादव ने बीएमसी से पूछा था कि, कंगना के मामले में किस वकील को अपॉइंट किया गया है और कितनी फीस दी गई है। इस सवाल का जवाब देते हुए बीएमसी ने कहा कि, इस मामले में वकील आकांक्षा चिनॉय को चुना गया था और उन्हें 11 बार में 82 लाख 50 हजार रुपए का भुगतान किया गया।

इस खुलासे पर कंगना ने बुधवार को चुटकी लेते हुए ट्वीट किया-म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने मेरे घर में अवैध तरीके से की गई तोड़फोड़ के लिए अब तक 82 लाख रुपए खर्च किए हैं। एक लड़की को चिढ़ाने के लिए पापा के पप्पू ने जनता के पैसे खर्च किए, महाराष्ट्र की यह स्थिति हो गई है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

अवैध खनन में जुटा क्रेशर संचालक, लाखो के राजस्व पर चूना लगाकर अपनी जेब भरने लगा विभाग

विभाग की मोन स्वीकृति से स्टोन क्रेशर के संचालक के हौंसले बुलंद

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

धरती का सीना चिर कर अपने घर भरने में लगे क्रेशर संचालक नियम कायदे ताक में रख शासन के राजस्व को नुकसान पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है और दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे है और यह सब जिम्मेदार विभाग की मिलीभगत से हो रहा है, जिम्मेदार खनिज विभाग की मिलीभगत की वजह से स्टोन क्रेशर संचालक के हौसले बुलंद है। पेटलावद से कुछ दूरी पर स्थित भदकाली स्टोन क्रेशर का मामला सामने आया है जहा स्टोन केसर संचालक प्रकाश नायक द्वारा नियमों को ताक में रखकर भारी अवैध रूप से खनन कार्य किया जा रहा है। इस स्टोन क्रेशर पर किसी भी प्रकार से नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है। यहां तक कि किसी प्रकार का जानकारी संबधित कोई बोर्ड भी खदान पर नहीं लगा रखा है। आश्चर्य तो इस बात का है कि, लीज से अधिक खुदाई स्टोन क्रेशर संचालक प्रकाश नायक कर चुका है जिसके बाद भी खनिज विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। खदान पर नियमों से अधिक खुदाई की जा चुकी है जिससे तो ये ही लगता है कि, सारा खेल खनिज विभाग की मिलीभगत से ही खेला जा रहा है। इस स्टोन क्रेशर को देखकर लगता है कि, नियम तो सिर्फकागजों में ही सिमट के रह गए है और तो और बिना अनुमति यहां पर ब्लास्टिंग कार्य भी किया जाता है जिस और भी जिम्मेदार प्रशासन का कोई ध्यान नहीं है। पेटलावद रायपुरिया मुख्य मार्ग से ग्राम सुवरपाड़ा पहुंच मार्ग के समीप उक्त क्रेशर संचालित हो रहा है, जबकि मुख्य मार्ग हो या आम रास्ता के सौ मीटर के दायरे में स्टोन क्रेशर संचालन के लिए अनुमति ही नहीं दी जा सकती है, तो फिर उक्त स्टोन क्रेशर कैसे संचालित हो रहा है, यह विचारनीय भी है और जाच का विषय भी।

आम रास्ता भी खोद दिया, हुई शिकायत पर कार्रवाई नही

उक्त क्रेशर संचालक की भारी साठ-गाठ के चलते कोई बड़ी कार्रवाई आज तक नही हो पाई है, पहले भी क्रेशर संचालक के विरूद्ध शिकायत झाबुआ तक हो चुकी हैं लेकिन जिम्मेदार लीपा-पोती कर निकल जाते है, क्रेशर संचालक द्वारा खदान के लिए मिली भूमि से अधिक भूमि पर खुदाई कर चुका है और आमजन के आवाजाही के रास्ते को भी चपेट में लेकर नुकसान पहुँचा चुका है, जिसकी शिकायत के बाद भी उक्त स्टोन क्रेशर कैसे संचालित हो रहा है, यह विचारनीय भी ग्रामीण खासे परेशान हैं ।

रायल्टी केवल नाम के लिए

हजारों रन गिट्टी निकालने वाले क्रेशर संचालक केवल नाम के लिए रायल्टी काटता है, बाकी पूरा माल दो नम्बर में निकाल कर राजस्व को चूना लगाते है, आफदी रिकार्ड केवल उतना ही माल खदान से निकलना बताया जाता है जिससे खाना पूर्ति हो सके। खनिज विभाग अपनी महीना बन्दी के चलते कोई कार्रवाई करने की बजाए क्रेशर संचालक नायक को पूरा सरंक्षण देने का कार्य कर रहे हैं।

तिरंगा फहराने से रोकना राष्ट्रद्रोह, महबूबा और फारूक के विरूद्ध हो कार्रवाई- संजय राउत

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के तिरंगे को न उठाने और फारूक अब्दुल्ला के आर्टिकल 370 को वापस लागू करने वाले बयान पर सियासत जारी है।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने तिरंगे के विरोध और चीन की मदद से कश्मीर में धारा 370 लागू कराने संबंधी बयान पर महबूबा मुफ्ती और फारूक अब्दुल्ला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है और संजय राउत ने केंद्र सरकार से अपील करते हुए कहा कि अगर किसी को तिरंगा फहराने से रोका जाता है तो इसे राष्ट्रद्रोह माना जाए।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, अगर महबूबा मुफ्ती, फारूक अब्दुल्ला और अन्य लोग चीन की मदद से कश्मीर में धारा 370 लागू करना चाहते हैं तो केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। अगर कोई भी व्यक्ति जो कश्मीर में तिरंगा फहराना चाहता है, उसे रोका जाता है, तो मैं इसे 'राष्ट्रद्रोह' मानता हूं।'

यह पूछे जाने पर कि, क्या केंद्र सरकार को यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करना चाहिए। शिवसेना के राज्यसभा सांसद राउत ने कहा कि, हमने पहले भी यह कहा है कि देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (सामान नागरिक संहिता) लागू होना चाहिए, अगर सरकार ऐसा कुछ लाती है तो हम इस संबंध में फैसला लेंगे।

जेईई मेन परीक्षा में छात्र ने अपनी जगह किसी दूसरे को बैठाया, आए 99.8 प्रतिषत मार्क्स

गुवाहाटी, एजेंसी। असम में एक छात्र द्वारा फर्जीवाड़े से जेईई मेन परीक्षा पास करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि, छात्र ने सितंबर में आयोजित हुई इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई मेन में अपनी जगह किसी दूसरे शख्स को बैठाया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिजदेव शर्मा की ओर से गुवाहाटी के अजारा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक जेईई मेन में 99.8 प्रतिशत मार्क्स लाने वाला छात्र 5 सितंबर को हुई परीक्षा में बैठा ही नहीं था।

गुवाहाटी के एडीशनल डीसीपी (वेस्ट) सुप्रतिव लाल बरूआ ने कहा 23 अक्टूबर को इस संबंध में एक शिकायत दर्ज कराई गई है, हमने आरोपों की जांच के लिए एक विशेष जांच टीम गठित की है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि, छात्र ने परीक्षा में अपनी जगह किसी और को बैठाया था।'

मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को किया ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में मंगलवार रात सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हो गई, जिसमें दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि, आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद मंगलवार देर रात सुरक्षा बलों ने बडगाम जिले के चंदूरा इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था। उन्होंने बताया कि, रात करीब नौ बजे आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाने के बाद अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। अधिकारी ने बताया कि करीब चार घंटे तक चली मुठभेड़ में दो अज्ञात आतंकवादी मारे गए, आतंकवादियों और उनके संगठन की पहचान की जा रही है, प्राथमिक जांच के अनुसार एक आतंकवादी के विदेशी होने के संकेत मिले हैं।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ एक मुठभेड़ में एक अज्ञात आतंकवादी मारा गया था, जबकि एक अन्य ने आत्मसमर्पण कर दिया। सेना ने बताया कि, सुरक्षा बलों ने पुलिस द्वारा मुहैया करायी गई सूचना के आधार पर जिले के अवंतीपोरा क्षेत्र के नूरपोरा में एक संयुक्त अभियान शुरू किया था।

पूर्व सरकार पर साधा निशाना, अब चीन की हिम्मत नहीं कि भारत को आंख दिखा सके -शिवराजसिंह चौहान

भोपाल, एजेंसी। अनूपपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बिसाहूलाल सिंह के चुनाव प्रचार के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे थे। इसी दौरान शिवराज सिंह चौहान ने चीन के बहाने पूर्व प्रधानमंत्री पर हमला बोला। शिवराज ने अनूपपुर की रैली में कहा कि, मैं कमलनाथ नहीं हूं, जो विकास के लिए एक पैसा नहीं देगा। मैं आपको अनूपपुर के विकास का आश्वासन देता हूं। कमलनाथ कहते हैं कि मामा ने राज्य के खजाने को खाली कर दिया था, मगर मैं कहता हूं कि यह औरंगजेब का खजाना नहीं है जिसे खाली किया जा सकता है।'

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने चीनी घुसपैठ का जिक्र करते हुए कहा पहले पिंढी-पिंढी से देश में हमें आंख दिखा देते थे और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री सीना तानकर कभी जवाब नहीं देते थे। लेकिन आज अगर चीन ने हमारी सीमाओं की तरफअपनी आंखें गड़ाने की कोशिश की, तो हमारे सैनिकों ने चीनी सैनिकों की गर्दन तोड़कर उसे फेंक दिया। अब चीन में भी हमें आंखें दिखाने की हिम्मत नहीं है।

डेटा प्रोटेक्शन बिल: भारत के गलत नक्शे को दिखाने पर पैनल ने मांगा ट्विटर से लिखित जवाब

नई दिल्ली, ऐजेन्सी। डाटा सुरक्षा विधेयक मामले में बुधवार को संयुक्त कमिटी संसदीय पैनल के समक्ष ट्विटर के प्रतिनिधियों की पेशी हुई। भारत के नक्शे को गलत तरीके से पेश करने को लेकर पैनल ने ट्विटर से लिखित जवाब मांगा है। हाल में ही ट्विटर की वेबसाइट पर लद्दाख को चीन का हिस्सा बताने वाला नक्शा पेश किया गया था। यह जानकारी पैनल की अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी ने दी। मामले में ट्विटर की ओर से जवाब दिया गया लेकिन पैनल के सभी सदस्य इससे संतुष्ट नहीं हुए। अध्यक्ष मीनाक्षी लेखी ने कहा, लद्दाख को चीन का हिस्सा बताने वाली यह हरकत भारत की संप्रभुता का अपमान है और इस अपराध के लिए 7 साल की कैद की सजा है।

पाकिस्तान के दहशतगर्दों को भारत ने किया आतंकी घोषित, दाऊद और हाफिज सईद के करीबी हैं शामिल

नई दिल्ली, ऐजेन्सी। प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के सरगना सैयद सलाहुद्दीन, इंडियन मुजाहिदीन के संस्थापक भटकल बंधुओं और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीब सहयोगी छोटा शकील सहित 18 लोगों को आतंकवादरोधी संशोधित गैरकानूनी गतिविधियां अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकवादी घोषित किया गया है। अब तक आतंकवादी घोषित किए गए व्यक्तियों की संख्या 31 हो गई है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह घोषणा उस दिन की है जब यहां भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू संवाद हुआ है जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने अमेरिकी समकक्षों से मुलाकात की है।

गृह मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बताया कि, संशोधित यूएपीए के प्रावधानों के तहत तैयार की गई इस सूची में 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान का अपहरण करने वाले अब्दुल रऊफ असगर, इब्राहिम अतहर और यूसुफअजहर भी शामिल हैं।

आईपीएल 2020 में आधे देशी व आधे विदेशी कप्तान

नई दिल्ली, ऐजेन्सी। आईपीएल 2020 शुरु हुआ था तो 6 टीमों के कप्तान भारतीय थे और सिर्फदो टीमों के कप्तान विदेशी थे। लेकिन जैसे'-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ा भारतीय कप्तानों की संख्या दो कम हो गई और विदेशी कप्तानों की संख्या दो ज्यादा हो गई, टूर्नामेंट के बीच में ही दिनेश कार्तिक ने आईपीएल 2020 के दौरान ही कप्तानी छोड़ दी थी और इसके बाद इंग्लैंड को विश्वकप जिताने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज इयोन मोर्गन केकेआर के कप्तान बने थे।

वहीं इंडियन प्रीमियर लीग के पिछले 2 मैचों में रोहित के स्थान पर कीरोन पोलार्ड को स्थाई रूप से मुंबई टीम की कप्तानी सौंप दी गई है। रोहित शर्मा चोट के चलते अब आईपीएल के शेष मैच नहीं खेल सकेंगे।

पादुकोण की मैनेजर के घर एनसीबी की रेड, बरामद हुई ड्रग्स

मुंबई, ऐजेन्सी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मंगलवार को बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की प्रबंधक करिश्मा प्रकाश के घर पर छापेमारी कर थोड़ी मात्रा में हशीश जब्त की।

अभिनेता सुशांतसिंह राजपूत की मौत के बाद मादक पदार्थ तस्करों और बॉलीवुड हस्तियों के बीच कथित संबंधों की जांच कर रही एनसीबी ने प्रकाश को बुधवार को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। एनसीबी ने पिछले महीने प्रकाश से पूछताछ की थी।

तीन बच्चों को जहर पिलाकर मां ने भी पीया जहर, मां व बेटे की मौत, दो गम्भीर

झालावाड़, एजेंसी।

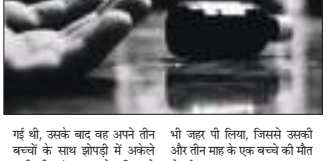

राजस्थान के झालावाड़ जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपने ही तीन बच्चों को जहरीला पदार्थ पिला दिया और उसके बाद खुद ने भी पी लिया। इस घटना में महिला और एक बच्चे की मौत हो गई है, वहीं दो बच्चों की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना उन्हेल थाना क्षेत्र के हजरिया कंजर डेरे का है। जानकारी के अनुसार, मृतका सुमित्रा बाई के पति की कुछ समय पहले ही मौत हो गई थी, उसके बाद वह अपने तीन बच्चों के साथ झोपड़ी में अकेले रहती थी, मंगलवार को महिला ने अपने तीन बच्चों को जहर देकर खुद भी जहर पी लिया, जिससे उसकी और तीन माह के एक बच्चे की मौत हो गई।

मामले की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण महिला और उसके बच्चों को चौमहला के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला और उसके तीन माह के बच्चे को मृत घोषित कर दिया। दो बच्चियों का गंभीर हालत में उपचार जारी है, जिन्हें झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार प्रारंभिक तौर पर आर्थिक तंगी और अन्य परेशानियों के चलते महिला के द्वारा यह आत्मघाती कदम उठाए जाने की संभावना जताई जा रही है।

साबरमती रिवरफ्रंट, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच शनिवार से स्पाइसजेट रोजाना चलाएगी दो सीप्लेन

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट और स्टैच्यू ऑफयूनिटी के बीच रोजाना दो सीप्लेन चलेंगी। स्पाइसजेट ने बुधवार को कहा कि, वह गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रिवर फ्रंट और केवडिया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बीच शनिवार से रोजाना दो सीप्लेन उड़ानों का संचालन करेगी।

एयरलाइन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया, उड़ान योजना के तहत एक तरफका किराया 1500 रुपए से शुरू होगा और टिकट 30 अक्टूबर 2020 के बाद से स्पाइस शटल की वेबसाइट से लिया जा सकेगा। सीप्लेन विमानों का संचालन स्पाइस जेट की सहयोगी कंपनी स्पाइस शटल करेगी, हर उड़ान की समय अवधि करीब 30 मिनट होगी।

उडान योजना के तहत केंद्र, राज्य सरकारों और हवाई अड्डा संचालकों द्वारा तय एयरलाइनों को वित्तीय मदद दी जाती है ताकि जिन हवाई अड्डों से संचालन नहीं होता वहां से उड़ानों को प्रोत्साहित किया जा सके।

उड़ान के तहत विमानों में करीब आधी सीटें सब्सिडी किराए पर पेशकश की जाती है। स्पाइसजेट ने कहा कि, सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर अहमदाबाद-केवडिया विमान का संचालन शनिवार को शुरू होगा।

पूर्व सीएम उमा भारती जाएंगी मिशन छतरपुर, उपचुनाव में तोड़ेंगी चुप्पी

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी की सांसद नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती 29 अक्टूबर को मिशन छतरपुर, छतरपुर की सरकार जय राजेश्वर में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगी। वहां 30 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे मिशन जिले के विधानसभा निर्वाचन के सीटों के कार्यकर्ता, सेक्टर 3 बजे छतरपुर जिले के जिला कार्यकारिणी विस्तारकों के पुनर्गठन एवं सायं 4 बजे राजनगर जिले के सभी विस्तारकों के पुनर्गठन बैठकों में हैं कार्यकर्ता की संबोधित करेंगी।

केन्द्रीय मंत्री तोमर आज शिवपुरी और इंदौर जमीन दौरे पर होंगे

भोपाल। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर 29 अक्टूबर को शिवपुरी एवं इंदौर में आयोजित कार्यक्रमों एवं जनसभाओं को संबोधित करेंगे। दोपहर प्रातः 11:30 बजे शिवपुरी जिले की पोहरी विधानसभा के मोहनीपुर में जन्म दोपहर 1 बजे इंदौर के राजमाता गार्डन के सामने जनसभा को संबोधित करेंगे। तोमर इंदौर प्रवास के दौरान 4.15 करोड़ रुपये लागत की संबोधित करने के पश्चात कार्यकर्ताओं की सभा करेंगे।

उपचुनाव में 333 पुरुष और 22 महिला उम्मीदवार उतरे

भोपाल। विधानसभा उप निर्वाचन 2020 के अन्तर्गत प्रदेश के 19 जिलों के 30 विधानसभा क्षेत्रों में 355 उम्मीदवारों में 23 महिला एवं 333 पुरुष उम्मीदवार हैं। मुरैना जिले के विधानसभा क्षेत्र जौरा में कुल 13 उम्मीदवार जिसमें 14 पुरुष एवं 1 महिला उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र सुमावली में कुल 9 उम्मीदवार जिसमें 8 पुरुष एवं 1 महिला उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र दिमनी में कुल 13 उम्मीदवार जिसमें 11 पुरुष एवं 2 महिला उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र मुरैना में कुल 16 उम्मीदवार जिसमें 15 पुरुष उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र अम्बाह में कुल 13 उम्मीदवार जिसमें 11 पुरुष एवं 2 महिला उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र भिण्ड में कुल 14 उम्मीदवार जिसमें 12 पुरुष उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र लहार में कुल 14 उम्मीदवार जिसमें 12 पुरुष उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र मेहगांव में कुल 15 उम्मीदवार जिसमें 13 पुरुष उम्मीदवार, ग्वालियर जिले के विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर में कुल 8 उम्मीदवार जिसमें 7 पुरुष एवं 1 महिला उम्मीदवार, विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर पूर्व में कुल 13 उम्मीदवार जिसमें 12 पुरुष एवं 1 महिला उम्मीदवार हैं।

सिंध 'पाकिस्तान' का जिक्र करने वाली पर दर्ज मुकदमे खत्म करेंगे

भोपाल। प्रदेश के मंत्रिमंडल की राजपुत्र समाज के सदस्य मुकेश कार्यालय में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की कि जिसमें 'पाकिस्तान' का जिक्र करने वालों का दर्ज मुकदमे खत्म किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जिसमें भी सभी मुकदमों का जिसमें भारत देश के विकास के समाज को आगे बढ़ाने वाले कार्यकर्ता का समाज करेंगे। इसके लिए मंत्रिमण्डल टीमों पर अधिक जानकारी की गई है।

सिंधिया के गढ़ में पायलट ने शिवराज सिंह पर कसा तंज

तिकड़म से सरकार बनाओ और फिर से वोट मांगने आ जाओ

भोपाल

पायलट ने शिवराज और केंद्र सरकार पर साधा

पायलट की यहां पर रैलियां

- 27 अक्टूबर सुबह 10 बजे, 12 बजे से बोदाना हेलीपैड के पास में हुंकार सभा होगी।
- दोपहर 1 बजे गिर्ज जिले की मेहगांव विधानसभा के गांवों में जनसभा करेंगे।
- दोपहर 2.30 बजे गोहद विधानसभा में जनसभा उपचुनाव के प्रचार में हुंकार भरेंगे।
- अगलगभग 3.45 बजे डबरा में हुंकार सभा संबोधित करेंगे।

धार में सिंधिया ने गिनाई कांग्रेस सरकार की नाकामियां

यह लड़ाई सत्य, किसान और मध्य प्रदेश के स्वाभिमान की

बेमुरा

जल्द बदल होगा बगावत के बगावत नहीं था आदि

देश में दो कांग्रेस हो गई है-शिवराज

कांग्रेस ने फिर लगाया

सिंधिया पर 500 करोड़ की जमीन पर कब्जा व बेचने का प्रमाणिक आरोप

महाराज को दी थी सूचना

कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया का एक और वीडियो वायरल

झांसी की रानी को लेकर दिया था विवादित बयान

भोपाल

कांग्रेस पर साधा दुख का बयान...

सांवेर डाक मतपत्र-ईवीएम में गड़बड़ी का लगाया आरोप

कमल पटेल ने कमलनाथ पर कसा तंज

कांग्रेस को प्राइवेट लिमिटेड में बदलने से नेताओं का दम घुट रहा

भोपाल

कांग्रेस में लोकतांत्रिक नहीं रहा

कांग्रेस का आरोप-गरीबों के लिए योजनाएं बनाई तो 20 लाख मजदूरों ने पलायन क्यों किया?

चुनाव आयोग का लक्ष्य सभी पात्र व्यक्ति मतदान से नहीं रहे वंचित

मुख्यमंत्री बड़ा मलहरा, अमरवाड़ा, सांची में रहेंगे मौजूद

मध्यप्रदेश की 28 विधानसभाओं में भाजपा जारी करेगी संकल्प पत्र

भोपाल। प्रदेशीय भारतीय जनता पार्टी उपचुनाव वाली 28 विधानसभाओं में 30 अक्टूबर को संकल्प पत्र जारी करेगी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बड़ा मलहरा, अमरवाड़ा, सांची एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा अशोकनगर में विधानसभा में संकल्प पत्र जारी करेंगे। इसी प्रकार अन्य अन्य विधानसभाओं में केंद्रीय मंत्री, प्रदेश सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ नेतागण संकल्प पत्र जारी करेंगे।

कांग्रेस ने लोकप्रिय कांग्रेस संकल्प पत्र जारी

चुनावी युद्ध में साधनों के मामले में कांग्रेस से आगे निकली भाजपा

दलबदल का कार्यकर्ताओं पर पड़ रहा असर

भोपाल

कार्यकर्ता का मनोबल बनाए रखना बड़ी चुनौती

16 वर्षीय नाबालिक ने 14 वर्षीय नाबालिक बालिका के साथ जगंल में किया दुष्कर्म मामला दर्ज

माही की गूंज, थांदला। गत दिनों ग्राम कलदेला में एक नाबालिक लड़की के साथ दुष्कर्म के बाद आरोपी को गिरफ्तारी के पश्चात एक और मामला काकनवानी थाने के अंतर्गत ग्राम तितरीया में नाबालिक के साथ दुष्कर्म का सामने आया है। काकनवानी थाना प्रभारी दिनेश भवर ने बताया कि, मंगलवार को सुरेश पिता नाहटिया अमलियार (16) जंगल में मवेशी चराने गया था जहां 14 वर्षीय नाबालिक लड़की परिवर्तित नाम राधा पूर्व से मवेशी चरा रही थी के साथ जबरन दुष्कर्म किया व किसी को उक्त घटना नहीं बताने की बात कहकर धमकाया। घटना से पीड़ित डरी सहमी बालिका ने यह कृत्य अपने परिजनों को बताया तथा परिजन उसे संदिग्ध हालात में काकनवानी थाने लाए, जहां पुलिस ने वक्त की नजाकत को भांपते हुए तत्काल नाबालिक का जिला चिकित्सालय में चिकित्सीय परीक्षण करवाया। बालिका के साथ दुष्कर्म की पुष्टि होने पर आरोपी सुरेश अमलियार के विरुद्ध भारतीय दंड विधान की धारा 376 बी 56 पास्को एक्ट में प्रकरण दर्ज कर आरोपी सुरेश को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजा गया है।

खवासा में होंगे फुटकर फटाका विक्रय हेतु 15 ही लाइसेंस जारी

माही की गूंज, खवासा। कोविड-19 के चलते जिला प्रशासन त्योहारों को लेकर सजग है और सुरक्षा के लिए शासन की गाइडलाईन अनुसार अपने निर्देश जारी कर त्योहारों का आयोजन संक्षिप्त में करवाया जा रहा है, आमजन भी छूट-मूट को छोड़कर हर कोई प्रशासन का सहयोग सरकारी गाइडलाईन अनुसार कर रहा है। इसी तारतम्य में खवासा पटवारी रूपसिंह भूरिया ने गूंज प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि, कोविड-19 के एहतियाद के तौर पर थांदला एसडीएम साहब के निर्देशन में तहसीलदार मैडम ने कहा है कि, पूर्व की तरह इस वर्ष भी खवासा में बामनिया मार्ग स्थित मंडी परिसर में ही फुटकर फ्टाखा विक्रय हेतु दुकानें लगाई जाएगी, लेकिन एसडीएम साहब के निर्देशानुसार इस वर्ष कोविड-19 के चलते खवासा में 15 दुकानो के लिए ही लाइसेंस आवंटित किए जाएंगे।

मजदूर की मौत के बाद 8 लाख में किया सौदा, आज तक नहीं हुआ मामला दर्ज, पूर्व में भी जा चुकी है एक की जान

मौत के सोदागर बन गए एट लेन के जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड के ठेकेदार

माही की गूंज, थांदला। मुकेश भट्ट

मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे रोड का कार्य झाबुआ जिले में बन रहे मार्ग का टेंडर ज्फंकेका सेक्टर क्रमांक 23, 24 व 25 का ठेकेदार जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कम्पनी का है वही जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड का रसूख ऐसा है कि, कंस्ट्रक्शन ठेकेदारी में देश में एक नाम है और कंस्ट्रक्शन के दौरान कोई अनहोनी यानी मजदूरों की मौत भी हो जाए तो वह अपने नाम व प्रतिष्ठा बचाए रखने के लिए हाथों हाथ मौत का सौदा कर मामला तक दर्ज नहीं होने देता है, ऐसा अपना रसूख अपनी कंस्ट्रक्शन लाइन में रखता है।

सेक्टर नंबर 23 रतलाम जिले की सीमा से रत्नी तक पेटी कांट्रेक्टर के रूप में सड़क का बेस लेवलिंग जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी ने मुंडन कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया है, वही सेक्टर नंबर 24 रत्नी से टिमरवानी व टिमरवानी से गुजरात सीमा तक सेक्टर नंबर 25 सड़क बेस लेवलिंग का पेटी कांट्रेक्टर के रूप में बालाजी कंस्ट्रक्शन कंपनी को कार्य दे रखा है, वही पुल निर्माण का कार्य स्वयं जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी ही करती है। सेक्टर नंबर 24 के बने बंकर नरसिंगपाड़ा में किसी अनियमित्ताओं के कारण मजदूर दुर्घटनाग्रस्त होकर जख्मी हो गए थे बताया जा रहा है, परंतु उक्त मामला बंकर के बाहर तक भी सार्वजनिक नहीं होने दिया और जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी के नुमाइंदों ने घटना को त्वरित लेन-देन कर दबा दिया।

वहीं शनिवार को सेक्टर नंबर 25 में काकनवानी थाने के अंतर्गत ग्राम नवापाडा व चोखवाड़ा के मध्य एक पुल निर्माण का कार्य चल रहा था, उक्त कार्य में कार्य के मापदंड एवं सुरक्षा के एहतियाद की अनदेखी के साथ मजदूरों से पुल निर्माण कार्य करवाया जा रहा था, बिना एहतियाद के करवाएं जा रहे पुल निर्माण कार्य के दौरान ऊपरी हिस्से में सरिये से भारी भरकम बनी जाल को निर्माण कार्य हेतु निर्धारित स्थान पर फिट कर रहे थे कि, उक्त सरिये की जाल नीचे गिर गई और नीचे खड़े मजदूर भारी भरकम सरिये कि जाल के चपेट में आकर दब गए, जिसके कारण मौके पर ही भुंडा पिता शैतान कटारा (30) निवासी नवापाड़ा की मौत हो गई और 7 अन्य मजदूर जख्मी हो गए। 7 मजदूर में से भी एक दो मजदूर की हालत खराब बताई जा रही है, उक्त घटना होने के बाद जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी के नुमाइंदे भाग खड़े हुए ग्रामीण, भुंडा के साथ सभी घायलों को काकनवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां भुंडा को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया तो वही 7 मजदूर को रेफर कर दिया, जिसके बाद परिजन मजदूर की चोटिल स्थिति अनुसार थांदला, झाबुआ, दाहोद उपचार हेतु ले गए बुधवार को थाना निरीक्षक दिनेश भंवर से गूंज की बात हुई तो बताया, अभी तो कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, जांच कर रहे हैं, हां आदिवासी में आपसी समझौता होकर ठेकेदार ने 8 लाख रुपए दिए हैं, घटना में भुंडा की मौत हुई थी और 7 मजदूर अन्य घायल हुए थे, जिनका उपचार थांदला, झाबुआ, दाहोद अलग-अलग स्थानों पर हो रहा है, सभी के कथन लेने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि, किसान पूर्व में भी ठेकेदार की लापरवाही के कारण एक 60 वर्षीय किसान की मौत सडक निर्माण के दौरान बिना माप-दंड के ब्लास्टिंग की जा रही थी जिससे एक बड़ा पत्थर उडकर लगने से मौत हो गई थी, बताया जा रहा है कि, घटना के वक्त किसान अपने खेत में कार्य कर रहा था और बिना माप-दंड के की जा रही ब्लास्टिंग के कारण मौत हो गई थी, जिसका भी सौदा कर 7 लाख 20 हज़ार देकर मामले को रफा-दफा कर दिया गया था, जिसका भी मामला दर्ज नही हुआ था।

उक्त घटनाओं को देखकर अब क्षेत्र में हर कोई कह रहा है कि, एक्सप्रेस वे का कार्य करने वाले ठेकेदार जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लिमिटेड कंपनी के ठेकेदार मौतों का सौदागर बन गए है।

खोदा पहाड़ निकला चूहा, सेल टेक्स की कार्यवाही सरकार के हाथ कुछ बड़ा नही लगा

तीन दिन चली कार्रवाई में मात्र साढ़े तेरह लाख सरेंडर

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद में 23 अक्टूबर गुरुवार दोपहर से सेल टेक्स(जीएसटी) इंदौर की लगभग 20 अधिकारियों की टीम जिसमे विभाग के बड़े अधिकारी शामिल थे, गुरुवार दोपहर से टीम नगर की हाडवेयर की बड़ी फर्म तुलसी ट्रेडर्स, स्वस्तिक ट्रेडर्स और लक्ष्मी ट्रेड्स पर छापा मार कर टेक्स

चोरी की जांच शुरू की, सेल टेक्स की कार्रवाई लगातार तीन दिनों तक जारी रही, संबंधित अधिकारीयो ने कार्रवाई पूरी होने के बाद जानकारी मीडिया को देने का बोलकर जाच में जुट गए, लेकिन विभाग की कार्रवाई समाप्त होने के बाद किसी प्रकार की कोई जानकारी मीडिया को नही दी और टीम रवाना हो गई।

सील किए थे प्रतिष्ठान

जांच पर आई सेल टेक्स की टीम ने एक ही परिवार की तीन फर्म को तुलसी ट्रेडर्स, स्वस्तिक ट्रेडर्स और लक्ष्मी ट्रेड्स सील कर दिए थे, जिसके बाद से नगर के अन्य व्यापारियों में हड़कंप मच गया था, नगर के कई व्यापारी चक्कर लगा रहे तो कई बड़े व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर गायब हो गए थे। असिस्टेंड कमीशन इंदौर डॉ.संजय सिंह ने कार्यवाही के सबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि, कई प्रकार की अनियमितता पाई गई है और फर्म द्वारा 13 लाख 50 हजार रुपए सरेंडर किए हैं। तीनो फर्म एक ही पते से संचालित हो रही थी। असिस्टेंड कमीशन इंदौर संजय सिंह का कहना है कि, फर्म सहित टेक्स चोरी से जुड़ी फर्म को अपना पक्ष रखने के लिए इंदौर विभाग के कार्यालय पर बुलाया है।

फर्जी पते पर बड़ी फर्म के नाम से बनाए हैं बिल

सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार तीनो फर्म की जांच में एक नामी फर्म कंट्रक्शन कम्पनी के नाम के बिल मिलना बताया जा रहा है, लेकिन जिस कंट्रक्शन कम्पनी के नाम से बिल फाडे गए उसका पता फर्जी होने की जानकारी मिल रही है, जिसकी जांच की जा रही है। इससे पहले किसी बड़ी सरिया फेक्ट्री से भारी मात्रा में सरिया बिना बिल के सप्लाई किया गया है, जिसका एक हिस्सा बड़ी मात्रा में पेटलावद में भी सप्लाई होना बताया जा रहा था। तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 20 लोगो की टीम के हाथ कोई बड़ी सफलता प्रत्यक्ष रूप से नही मिली लेकिन तीन दिन तक बड़े व्यापारियों में भय का माहौल बना रहा, कई व्यापारी टेक्स विभाग के अधिकारियों के चक्कर लगाते रहे, बताया जा रहा है, जिस फर्म पर सेल टैक्स विभाग ने छापा मारा था उस पर प्रतिवर्ष इस प्रकार की कार्रवाई होती रहती है, लेकिन उम्मीद के मुताबिक इस बार भी बड़ी टेक्स चोरी का मामला उजागर नही हुआ अब नगर में चर्चा हो रही है कि खोदा पहाड़ और निकली चुहिया।

भ्रष्टो ने मुक्ति धाम को भी नहीं छोड़ा

सूचना अधिकार में मिली जानकारी में बरवेट पंचायत में सामने आया मामला

माही की गूंज, पेटलावद।

कोरोना कोविड-19 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपदा को अवसर बनाने का नारा अब दिया हो लेकिन विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों ने इस नारे पर कब से काम करना शुरू कर दिया है, ग्राम पंचायत के माध्यम से होने वाले कार्यो में भ्रष्टाचार तो मामूली है लेकिन कुछ पंचायतें इतनी स्तरहीन ओर मानव संवेदनाओं से इतना परे हो गई है कि, जीवन के अंतिम स्थान मुक्ति धाम के निर्माण के नाम पर भी अपना उल्लू सीधा कर मरने वालों को भी अंतिम यात्रा पर शांति से नही जाने दिया। ग्राम पंचायत बरवेट के बरवेट सहित पंचायत के अन्य गाँव मे मुक्तिधाम निर्माण में बड़ा भ्रष्टाचार का खुलासा सूचना अधिकार अधिनियम के अंतर्गत हुआ है, ग्राम पंचायत के भ्रष्टाचार से त्रस्त ग्रामीण पहले ही पंचायत की शिकायत दर्ज करवा चुके हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल लीपा पोती का कार्य किया जा रहा है, ग्राम मोठापाला के दुर्गादास राठौर ने पंचायत के भ्रष्टाचार की पोल खोलने के लिए ग्राम पंचायत के कार्यो की जानकारी आरटीआई के तहत मांगी, जिसमे पता चला कि ग्राम पंचायत ने मुक्ति धाम को भी अपनी भ्रष्ट पिपासा की भेंट चढ़ा दिया। आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार ग्राम बरवेट के सर्वे नम्बर 155 पर वर्ष 2015-16 में लगभग 4 लाख 17 हजार की लागत से मुक्ति धाम का निर्माण किया गया, लेकिन

वर्तमान में बरवेट में मुक्तिधाम के नाम पर 50 से 75 हजार की लागत से एक मात्र सीमेंट क्रांकीट का चड्डा बना हुआ है, बाकी कोई भी कार्य मुक्तिधाम पर नही किया गया, मुक्ति धाम पर न तो शेड बना हुआ है, न ही कोई वाल बाउंड्री, न ही तारफेनिंसग ओर अलग-अलग फर्मो के फर्जी बिल लगाकर पूरी राशि निकाल ली। आधी से अधिक राशि के बिल सामग्री के लगाए जिसमे 90 हजार का बिल बोलासा की फर्म पुनीत ट्रेडर्स है जो 25 किलोमीटर दूर से पानी और मुहर्रम सप्लाई करने के लिए बरवेट आई। दी गई जानकारी में सीमेंट, रेत, गिट्टी तक के बिल की जानकारी नही दी गई तो बाकी राशि के लिए मजदूरी के मस्टर भरे गए, कई मजदूरों की फर्जी हाजरी भर कर राशि निकाल ली गई, मुक्ति धाम निर्माण को देख कर ये भी समझ मे नही आ रहा कि, मजदूरों से दो लाख की मजदूरी का भुगतान कर क्या कार्य लिया गया और उपयंत्री द्वारा आधे-अधूरे कार्य को पूर्ण बताकर 4 लाख 17 हजार की एमबी चढ़ा कर भुगतान कर दिया गया। पंचायत में केवल ऐसा एक ही मामला नही अन्य गाँव मे बने मुक्ति धाम के भी यही हालत है जिनका खुलासा गूंज के अगले अंक किया जाएगा।

बिना प्रमाणित किए उपलब्ध करवाई जानकारी

आरटीआई में मांगी गई जानकारी पहले तो ग्राम पंचायत द्वारा देने से इंकार कर दिया गया और समय निकल जाने के बाद भी जानकारी नही दी, जानकारी हेतु जनपत में अपील करनी पड़ी, जहा ग्राम पंचायत द्वारा गुमराह करते हुए केवल मस्टर की प्रतियां दी गई, लेकिन कार्य में लगे बिल बाउचर नही दिए गए, दुर्गादास राठौर के अधूरी जानकारी लेने से मना करने के बाद ग्राम द्वारा आधे अधूरे बिल बाउचर के साथ जानकारी दी गई लेकिन जानकारी जनपत से उपलब्ध होने के बाद भी कागज को प्रमाणित कर नही दिया गया।

हरा-हरा देख कर लोटे जिला सीईओ

गत दिनों जिला सीईओ जैन विकास खंड के दौरे पर थे जो स्थानीय अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायतो में बने चेक डेम का निरक्षण करने आए थे इस दौरान वे उन भ्रष्ट पंचायतो में भी गए, जहां के लाखों के गबन ओर भ्रष्टाचार की शिकायत और जांच चल रही है। ग्राम पंचायत बरवेट के सरपंच को धारा 40 के अंतर्गत नोटिस ओर पूर्व सरपंच ओर दो सचिवों से वसूली का नोटीस तक जारी हो चुका है, इस दौरान जिला सीइओ ग्राम पंचायत बरवेट तो आए लेकिन साहब भी उपर-उपर हरा-हरा देखकर लौट गए। जबकि कई पंचायत के ग्रामीण कई शिकायत कर चुके हैं और जिले के बड़े अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई इंतजार कर रहे हैं।

नेताओं व प्रशासनिक शरण के साथ मनमानी कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे डॉक्टर

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

आशा मिना की मौत के बाद सीएचएमओ के बदले तेवर, आशा मीना के परिजनों ने ऑपरेशन के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग होने पर कई बार मेडम को बुलाने का कहा मगर उनकी किसी ने नही सुनी ओर रात भर तकलिफे से तड़पते हुए प्रसुता ने दम तोड़ दिया। जब मौत की खबर परिजनों को मिली तो वहां से पूरा स्टाफऐसे गायब हुआ जैसे 'पिंजरे में से कबूतर'। डॉक्टर आभा जैन अपने पैसो के दम पर व राजनीति की शरण लेकर बच गई और उच्च अधिकारियों द्वारा सांठ-गांठ कर आभा जैन को पूरी तरह कार्रवाई से बचाया गया। आभा जैन के कई ऑपरेशन फेल भी हुए है फिर भी उच्च अधिकारी आखे मूंद कर बेठे हुए है, क्योंकि अधिकारी को जनता से कोई मतलब नही है पैसो से उनकी जेब गर्म होनी चाहिए, डॉक्टर जो चाहे वो करे उनको कोई मतलब नही। वही परिजनों को न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है मगर आभा जैन के पैसो में वो दम है जो एक गरीब परिवार को कोई भी न्याय नही मिल सकता। चुनाव के समय नेता बड़े-बड़े वादे गरीब जनता से करते है, जब गरीब ही मुसीबत में फस जाए तो नेताजी गायब हो जाते है। शुजालपुर के दोनों सिविल अस्पताल की भी हालत खराब होने के कारण इलाज ठीक न होने की वजह से जनता को इन व्यापम घोटाले की तर्ज पर डिग्री हांसिल करने वाले एवं ऐसे लापरवाह डाक्टरो का सहारा लेना पड़ता है।

अब सोचने का विषय ये है कि, क्या न्याय प्रणाली पूरी तरह से राजनीति या फिर पैसे के आगे नतमस्तक है? अगर ऐसे ही सब कुछ चलता रहा तो जनता का राजनेताओं और अधिकारियों के खिलाफ सड़को पर आना पड़ेगा।

यह दर्द विदारक घटना एक गरीब परिवार के साथ हुई अगर यही नेताजी के घर में या कोई रसूखदार या फिर किसी प्रभावी प्रशासनीक अधिकरी के परिवार में होती तो भी दोशी डॉक्टर को प्रशासन बचाता या फिर वहां भी पैसा चलता का प्रश्न आमजन की जुबा पर होकर जन चर्चा का विषय बना है।

युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष भानु भूरिया की सादगी के कायल हुए नेता, बमोरी विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के लिए कर रहे है प्रचार

माही की गूंज, गुना। डेस्क न्यूज

जहा झाबुआ जिले के बड़े भाजपा नेता बदनावर सीट पर अपनी ताकत लगा रहे हैं, वही झाबुआ जिले के एक उभरते युवा नेता और झाबुआ यूवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भानु भूरिया जिले से दूर सिंधिया के गढ़ माने जाने वाले गुना जिले की बमोरी सीट से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सिसोदिया के लिए प्रचार कर रहे हैं। झाबुआ सीट के लिए उपचुनाव में उतर कर भानु भूरिया आम जनता से सादगी से रूबरू हो चुके हैं, भानु भले चुनाव नही जीत पाए लेकिन मतदाताओं का दिल जीत गए थे, कुछ उसी तर्ज पर भानु मंगलवार को बमोरी विधानसभा उपचुनाव जनसंपर्क के दौरान विधानसभा के फ्तेहगढ़ मंडल के ग्राम माना, केकड़ी, नर्मदा, रतवाड़ा, छिंकारी, पाढोन, लक्ष्मीपुरा, डोबरा/डीगडोली, चाकरी, लोहारी के ग्रामीण मतदाताओं से जनसम्पर्क कर आगामी 3 नवंबर को भाजपा उम्मीद्वार महेंद्रसिंह सिसोदिया (संजू भैया) को कमल के फूल के सामने वाला बटन दबाकर वोट देकर विजय बनाने हेतु अपील कर रहे है। इस दौरान मध्यप्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री पशुपालन विभाग और सामाजिक न्याय मंत्री प्रेमसिंह पटेल, राज्य सभा सांसद डॉक्टर सुमेरसिंह सोलंकी, फ्तेहगढ़ मंडल अध्यक्ष मनुसिंह पाढ़ोन पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राधेश्याम पारीक, भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। भानु की कार्य और मतदाताओं से मिलने की शैली देखकर मौजूद भाजपा नेता उनके कायल हो गए।

संपादकीय

दीपावली पर बाजार की चमक लौटने की उम्मीद

ये लगभग पूरा साल कारोबार के लिहाज से खराब गुजरा है। क्या अब जाते-जाते 2020 भारतीय बाजार को कुछ संतोषजनक दे पाएगा? फिलहाल, दिवाली आने के साथ कारोबारियों की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। बाजार का अंदाजा लगाने वाली एजेंसियां भी ऐसी संभावनाएं जता रही हैं। मसलन, जापानी ब्रोकरेज फर्म- नोमुरा का कहना है कि लॉकडाउन के बाद भारत का बिजनेस इंडेक्स 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए मार्च में लॉकडाउन लागू किया गया था। अब क्रोमा और विजय सेल्स जैसे बड़े रिटेलर भी हाल के दिनों की बिक्री बढ़ने की बात कह रहे हैं। ये दोनों ही रिटेलर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बेचते हैं। छोटे कारोबारियों की संस्था अखिल भारतीय व्यापारी संघ का कहना है कि उसके सदस्य सात करोड़ व्यापारी इस साल दिवाली के लिए 14 फीसदी बफर स्टॉक रखने की योजना बना रहे हैं, ताकि मांग बढ़ने पर स्टॉक खत्म ना हो। पिछले साल व्यापारियों ने 10 फीसदी ही बफर स्टॉक किया था।

व्यापारी संघ के मुताबिक आर्थिक दबाव के बावजूद कारोबारी अधिक माल स्टॉक कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि त्योहारों में अधिक लोग खरीदारी करने आएंगे। लेकिन सारे देश में उम्मीदें इतनी ऊंची नहीं हैं। हाल ही में मीडिया में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक इस सीजन में जयपुर में दुकानें और शोरूम आम तौर पर स्थानीय और विदेशी पर्यटकों से भरी रहती थीं, लेकिन गुजरे सप्ताह भी बहुत कम कारोबार हुआ। कारोबारियों का कहना है कि इस शहर की मुख्य आय का स्रोत पर्यटन है, लेकिन इस मकसद से अब भी लोग कम आ रहे हैं। हकीकत यह है कि अब भी खर्च के मूड में नहीं हैं। वे अधिक से अधिक बचत कर रहे हैं। बहुत से लोगों की नौकरियां गई हैं। बड़ी संख्या में लोगों की तनख्वाह में कटौती हुई है। बहुत से कर्मियों को उनके संस्थानों ने ज्यादा काम नहीं होने की वजह से छुट्टी पर भेज दिया था। इसका असर उनकी आमदनी पर पड़ा। जाहिर है, ऐसे लोग बड़ी खरीदारी नहीं करेंगे। तो फिर बाजार का हाल कैसे सुधरेगा? भारतीय व्यापारी संघ का अनुमान है कि लोगों ने जो बचत की है, उसका एक बड़ा हिस्सा वो त्योहारों में खर्च कर सकते हैं। लेकिन ये उम्मीद ही है। हकीकत क्या होगी, यह देखने पर सबकी निगाहें लगी रहेंगी।

रावण दहन में भी राजनीतिक कलुषता

त्योहार पहले भी मनाए जाते थे। आज भी मनाए जाते हैं और आगे भी मनाए जाते रहेंगे। इसकी वजह यह है कि भारत उत्सवधर्मी देश है। उमंग और उल्लास में जीने वाला देश है। जल्दी से जल्दी दुखों और परेशानियों से बाहर निकलना जानता है। भारत सकारात्मकता में यकीन रखता है। इस देश में त्योहार पहले उत्साह और सादगी से मनाए जाते थे। अब त्योहारों पर बाजार का रंग चढ़ गया है। बाजार नवोन्मेष चाहता है। नवोन्मेष में संदेश हो सकता है लेकिन जरूरी नहीं कि वह यथार्थ भी हो। नवोन्मेष में बनावटीपन और खिलंदड़पन भी होता है। ऐसे में त्योहार इस प्रवृत्ति के अपवाद कैसे हो सकते हैं? अब हर त्योहार नवोन्मेष के साथ मनता है। त्योहार बाद में आता है, उसके मनाने की योजना पहले बन जाती है। हर कोई एक-दूसरे से अलग और बेहतर ढंग से त्योहार मनाना चाहता है।

दशहरा का त्योहार भी इसबार कुछ इसी तरह के नवोन्मेष के बीच मनाया गया। पहले रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले जलते थे। बाद के वर्षों में इन पुतलों का आकार बढ़ता गया। उसकी लंबाई, चौड़ाई, ऊंचाई बढ़ती गई, बिल्कुल आदमी के अहंकार की तरह। रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण की जगह बुराइयों के नाम दिए जाने लगे। समस्याओं के नाम दिए जाने लगे। बाद में इनके बहाने संदेशों की राजनीति होने लगी और इस साल तो गजब ही हो गया। पंजाब में कुछ लोगों ने रावण के पुतले के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुखौटा लगाकर उसे फूंक दिया। कुंभकर्ण और मेघनाद की जगह ली मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने। दशहरा वाले दिन एक तरफ जहां नरेंद्र मोदी को रावण साबित कर, उनका पुतला जलाने की कोशिश हो रही थी, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों के साथ अपने मन की बात साझा कर रहे थे। उन्हें त्योहार मनाने का फलसफा बता रहे थे। विषम परिस्थितियों में भी उल्लास और हौसले के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रहे थे। 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावभूमि से देश को जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन पूरा सरदार वल्लभ भाई पटेल की उस छवि की खुद कल्पना कर रहे थे और देश को सरदार पटेल की वह छवि दिखा रहे थे जिसमें लौहपुरुष राजे-रजवाड़ों से बात कर रहे थे, पूज्य बापू के जन-आंदोलन का प्रबंधन कर रहे थे और इसके साथ ही, अंग्रेजों से भी लड़ रहे थे। नरेंद्र मोदी अपने मन की बात कार्यक्रम में लौहपुरुष के 'सेंस ऑफ ह्यूमर' का जिक्र कर देशवासियों को नसीहत दे रहे थे कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी विषम क्यों न हो, अपने 'सेंस ऑफ ह्यूमर' को जिंदा रखिए, यह हमें सहज तो रखेगा ही, समस्याओं के समाधान में भी हमारी मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशवासियों को अपनी वाणी, व्यवहार और कर्म से हर पल उन सब चीजों को आगे बढ़ाने की बात कर रहे थे जो हमें 'एक' करने, देश के एक भाग में रहने वाले लोगों के मन में दूसरे कोने में रहने वाले नागरिक के लिए सहजता और अपनत्व का भाव पैदा करने की सलाह दे रहे थे, वहीं कुछ लोग पंजाब में उनका पुतला रावण के रूप में जला रहे थे। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहा जाएगा? वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष इसे सही ठहराने की कोशिश कर रहे थे। वे प्रधानमंत्री को किसानों की बात सुनने की अपील कर रहे थे और तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में पंजाब के किसानों के गुस्से को खतरनाक बता रहे थे। राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि पंजाब में किसानों ने दशहरे के अवसर पर प्रधानमंत्री के पुतले जलाकर अपने गुस्से का इजहार किया और यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। वे पंजाब में किसान आंदोलन और तेज होने की भी धमकी दे रहे हैं। जब प्रधानमंत्री ने अपने मन की बात कार्यक्रम में पुलवामा के स्लेट और पेंसिल का जिक्र कर देश को यह बताने की कोशिश की है कि देश के शैक्षणिक विकास में पुलवामा की अहमियत क्या है? उसका योगदान क्या है?

वे देश को यह बताने-जताने की कोशिश कर रहे थे कि जम्मू-कश्मीर को आतंक पट्टी के रूप में देखने वालों को उसे शिक्षण पट्टी के रूप में भी देखना चाहिए। उन्होंने कहा है कि कश्मीर घाटी, पूरे देश की करीब 90 फीसदी लकड़ी की पट्टी की मांग को पूरा करती है और उसमें बहुत बड़ी हिस्सेदारी पुलवामा की है। एक समय हम विदेशों से पेंसिल के लिए लकड़ी मंगवाते थे लेकिन अब हमारा पुलवामा, इस क्षेत्र से, देश को आत्मनिर्भर बना रहा है। दशहरा पर्व असत्य पर सत्य की जीत का पर्व है लेकिन ये संकटों पर धैर्य की जीत का पर्व भी है। हम जिस तरह से आज कोरोना काल में संयम के साथ जी रहे हैं और मर्यादा के साथ पर्व मना रहे हैं इसलिए कोरोना के खिलाफ लड़ाई में हमारी जीत सुनिश्चित है। आगे आने वाले ईद ,शरद पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती, धनतेरस, भाईदूज, गुरुनानक देव की जयंती और छठ जैसे पर्व में भी हमें कोरोना के संकटकाल में इसी संयम और मर्यादा से काम लेना है। उन्होंने देशवासियों से अपील की है कि वे त्योहार मनाते समय सीमाओं पर तैनात सैनिकों तथा रोजमर्रा के जीवन में उनकी मदद करने वाले कामगारों को भी अपनी खुशियों में शामिल करें और दीवाली पर एक दीपक उनके नाम का भी जलाएं।

ऐसे में पंजाब में रावण के यप में प्रधानमंत्री का पुतला जलाया जाना कितना उचित है, इसे लेकर देश में राजनीतिक बहस-मुबाहिसों का दौर शुरू हो गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने इस घटना को राहुल गांधी द्वारा निर्देशित शर्मनाक नाटक करार दिया है। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा है कि ऐसा नाटक अप्रत्याशित नहीं है क्योंकि नेहरू-गांधी राजवंश ने कभी प्रधानमंत्री कार्यालय का सम्मान नहीं किया। वर्ष 2004 से 2014 तक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन के कार्यकाल में प्रधानमंत्री के अधिकार को संस्थागत तौर पर कमजोर करते हुए देखा गया। वे यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा है कि निराशा और बेशर्मी का मेल खतरनाक है। कांग्रेस के पास दोनों है। जहां पार्टी में राहुल गांधी घृणा, क्रोध, झूठ और आक्रामकता की राजनीति दिखाते हैं वहीं उनकी मां सोनिया गांधी शालीनता और लोकतंत्र की सिर्फ बयानबाजी करके इसका पूरक बनती हैं। ये कांग्रेस पार्टी के दोयम दर्जे को दिखाता है। इस वंश को एक व्यक्ति से अधिक नफरत है जो गरीबी में पैदा हुआ और देश का प्रधानमंत्री बना।

सियाराम पांडेय 'शांत'

यह भारत देश में ही संभव है कि यहां लोकतंत्र के नाम पर,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर प्रधानमंत्री को कुछ भी कहा जा सकता है। मौजूदा समय देश को हतोत्साहित करने का नहीं, कदम-कदम पर उसे प्रेरित करने, उसका मनोबल बनाए रखने का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उस वास्तविकता को जानते हैं। देश में रावण की तलाश तो यह देश कर लेगा लेकिन अभी समय कोरोना के इस आपातकाल में अपने और अपने परिवार को सुरक्षित रखते हुए व्यापार, व्यवसाय, शिक्षा और स्वास्थ्य की गाड़ी को पटरी पर लाना है। यह समय राजनीतिक विभ्रम में फंसने का नहीं, बल्कि वह करने का है जिससे धर्म और जाति के नाम पर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने वालों का चूल्हा बुझे। मौजूदा समय सोच-समझकर आगे बढ़ने और किसी के झांसे में न आने का है। रावण दहन का मतलब है कि हम अपने मन के बुरे भावों को विनष्ट करेंगे। रावण दहन में राजनीतिक कलुषता तो किसी भी लिहाज से ठीक नहीं है। काश, हम इस युगसत्य को समझ पाते। त्योहार को त्योहार की तरह मनाते। उसमें अनावश्यक राजनीति का घालमेल तो न करते।

काम की बात

घड़ी सुधारने वाले बहुत मिल जाते है, लेकिन समय खुद सुधारना पड़ता है।

एक सलाह

अपनी अच्छाई पर इतना भरोसा रखो, कि जो भी तुम्हें खोएगा यकीनन रोएगा।

बंधुत्व ही हिंदुत्व है: भागवत

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

हर विजयदशमी को याने दशहरे के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुखिया नागपुर में विशेष व्याख्यान देते हैं, क्योंकि इस दिन संघ का जन्म-दिवस मनाया जाता है। इस बार संघ-प्रमुख मोहन भागवत का भाषण मैंने टीवी चौनलों पर देखा और सुना। सबसे पहले तो मैं इस बात से प्रभावित हुआ कि उनकी भाषा याने हिंदी इतनी शुद्ध और सारगर्भित थी कि दिल्ली में तो ऐसी आकर्षक हिंदी सुनने में भी नहीं आती और वह भी तब जबकि खुद मोहनजी हिंदीभाषी नहीं हैं। वे मराठीभाषी हैं। हमारी सभी पार्टियों, खास तौर से भाजपा, जदयू, राजग, सपा, बसपा के नेता वैसी हिंदी या उससे भी सरल हिंदी क्यों नहीं बोल सकते? उस भाषण में जो राजनीतिक और सैद्धांतिक मुद्दे उठाए गए, उनके अलावा भारत के नागरिकों को अपने दैनिक जीवन में क्या-क्या करना चाहिए, ऐसी सीख हमारे नेता लोग भी क्यों नहीं देते? कुछ नेताओं को लत पड़ जाती है कि वे टीवी चौनलों पर राष्ट्र को गाहे बगाहे संबोधित करने का बढ़ाना ढूंढ निकालते हैं या कुछ खास दिवसों पर अफसरों के लिखे भाषण पढ़ डालते हैं। इन नेताओं को आज पता चला होगा कि भारत के सांस्कृतिक और सैद्धांतिक सवालों पर सार्वजनिक बहस कैसे चलाई जाती है।

मोहन भागवत के इस विचार का विरोध कौन कर सकता है कि भारत में बंधुत्व ही सच्चा हिंदुत्व है। यह विचार इतना उदार, इतना लचीला और इतना संविधानसम्मत है कि इसे सभी जातियों, सभी पंथों, सभी संप्रदायों, सभी भाषाओं के लोग मानेंगे। हिंदुत्व की जो संकीर्ण परिभाषा पहले की जाती थी और जो अब तक समझी जा रही है, उस छोटी लकीर के ऊपर मोहनजी ने एक लंबी लकीर खींच दी है। उन के हिंदुत्व में भारत के सारे 130 करोड़ लोग समाहित हैं। पूजा-पद्धति अलग-अलग हो जाने से कोई अ-हिंदू नहीं हो जाता। अ-हिंदू कहते ही, अ-भारतीय है। याने हिंदू और भारतीय एक ही है। मोहन भागवत के इस विचार को संघ का प्रत्येक स्वयंसेवक और प्रत्येक भारतीय आत्मसात कर ले तो सांप्रदायिकता अपने आप भारत से भाग खड़ी होगी।

मोहन भागवत ने कोरोना महामारी, कृषक नीति, शिक्षा नीति और पड़ौसी नीति आदि पर भी अपने विचार प्रकट किए। शिक्षा नीति पर बोलते हुए यदि वे राज-काज, भर्ती और रोजगार से अंग्रेजी को हटाने की बात करते तो बेहतर होता। मातृभाषा में शिक्षा की बात तो उत्तम है लेकिन जब रोजगार और वर्चस्व अंग्रेजी देती है तो मातृभाषा में कोई क्यों पढ़ेगा? इसी प्रकार पड़ौसी देशों को एक सूत्र में बांधने में दक्षेस (सार्क) विफल रहा है। यह महान कार्य राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों के बस का नहीं है। उनकी औपचारिक महिमा सिर्फतब तक है, जब तक वे कुर्सी पर हैं। संपूर्ण आर्यावर्त्त (अराकान से खुरासान तक) को एक करने का कार्य इन देशों की जनता को करना है। जनता को जोड़ने का काम समाजसेवी संगठन ही कर सकते हैं।

चाणक्य नीति

तात, यदि तुम जन्म मरण के चक्र से मुक्त होना चाहते हो तो जिन विषयो के पीछे तुम इन्द्रियों की संतुष्टि के लिए भागते फिरते हो उन्हें ऐसे त्याग दो जैसे तुम विष को त्याग देते हो. इन सब को छोड़कर हे तात तितिक्षा, ईमानदारी का आचरण, दया, शुचिता और सत्य इसका अमृत पियो।

जीवन को प्रेम से भरें

आप कहेंगे, हम सब प्रेम करते हैं। मैं आपसे कहूं, आप शायद ही प्रेम करते होंय आप प्रेम चाहते होंगे। और इन दोनों में जमीन-आसमान का फर्क है। प्रेम करना और प्रेम चाहना, ये बड़ी अलग बातें हैं। हममें से अधिक लोग बच्चे ही रहकर मर जाते हैं। क्योंकि हरेक आदमी प्रेम चाहता है। प्रेम करना बड़ी अद्भुत बात है। प्रेम चाहना बिलकुल बच्चों जैसी बात है।

छोटे-छोटे बच्चे प्रेम चाहते हैं। मां उनको प्रेम देती है। फिर वे बड़े होते हैं। वे और लोगों से भी प्रेम चाहते हैं, परिवार उनको प्रेम देता है। फिर वे और बड़े होते हैं। अगर वे पति हुए, तो अपनी पत्नियों से प्रेम चाहते हैं। अगर वे पत्नियां हुईं, तो वे अपने पतियों से प्रेम चाहती हैं। और जो भी प्रेम चाहता है, वह दुख झेलता है। क्योंकि प्रेम चाहा नहीं जा सकता, प्रेम केवल किया जाता है। चाहने में पक्का नहीं है, मिलेगा या नहीं मिलेगा। और जिससे तुम चाह रहे हो, वह भी तुमसे चाहेगा। तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी। दोनों भिखारी मिल जाएंगे और भीख मांगेंगे। दुनिया में जितना पति-पत्नियों का संघर्ष है,

उसका केवल एक ही कारण है कि वे दोनों एक-दूसरे से प्रेम चाह रहे हैं और देने में कोई भी समर्थ नहीं है।

इसे थोड़ा विचार करके देखना आप अपने मन के भीतर। आपकी आकांक्षा प्रेम चाहने की है हमेशा। चाहते हैं, कोई प्रेम करे। और जब कोई प्रेम करता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन आपको पता नहीं है, वह दूसरा भी प्रेम करना केवल वैसे ही है जैसे कि कोई मछलियों को मारने वाला आटा फेंकता है। आटा वह मछलियों के लिए नहीं फेंक रहा है। आटा वह मछलियों को फांसने के लिए फेंक रहा है। वह आटा मछलियों को दे नहीं रहा है, वह मछलियों को चाहता है, इसलिए आटा फेंक रहा है।

इस दुनिया में जितने लोग प्रेम करते हुए दिखायी पड़ते हैं, वे केवल प्रेम पाना चाहने के लिए आटा फेंक रहे हैं। थोड़ी देर वे आटा खिलाएंगे, फिर...। और दूसरा व्यक्ति भी जो उनमें उत्सुक होगा, वह इसलिए उत्सुक होगा कि शायद इस आदमी से प्रेम मिलेगा। वह भी थोड़ा प्रेम प्रदर्शित करेगा। थोड़ी देर बाद पता चलेगा, वे दोनों भिखमंगे हैं और भूल में थेय एक-दूसरे को बादशाह समझ रहे थे! और थोड़ी देर बाद उनको पता चलेगा कि कोई किसी को प्रेम नहीं दे रहा है और तब संघर्ष की शुरुआत हो जाएगी।

दुनिया में दाम्पत्य जीवन नर्क बना हुआ है, क्योंकि हम सब प्रेम मांगते हैं, देना कोई भी जानता नहीं है।

झगड़े का बुनियादी कारण

सारे झगड़े के पीछे बुनियादी कारण इतना ही है। और कितना ही परिवर्तन हो, किसी तरह के विवाह हों, किसी तरह की समाज व्यवस्था बने, जब तक जो मैं कह रहा हूं अगर नहीं होगा, तो दुनिया में स्त्री और पुरुषों के संबंध अच्छे नहीं हो सकते। उनके अच्छे होने का एक ही रास्ता है कि हम यह समझें कि प्रेम दिया जाता है, प्रेम मांगा नहीं जाता, सिर्फ दिया जाता है। जो मिलता है, वह प्रसाद है, वह उसका मूल्य नहीं है। प्रेम दिया जाता है। जो मिलता है, वह उसका प्रसाद है, वह उसका मूल्य नहीं है। नहीं मिलेगा, तो भी देने वाले का आनंद होगा कि उसने दिया। अगर पति-पत्नी एक-दूसरे को प्रेम देना शुरू कर दें और मांगना बंद कर दें, तो जीवन स्वर्ग बन सकता है। और जितना वे प्रेम देंगे और मांगना बंद कर देंगे, उतना ही--अद्भुत जगत की व्यवस्था है--उन्हें प्रेम मिलेगा। और उतना ही वे अदभुत

अनुभव करेंगे--जितना वे प्रेम देंगे, उतना ही सेक्स उनका विलीन होता चला जाएगा।

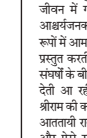

गिरीश्वर मिश्र

यतो धर्मस्ततो जयः

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय लोक-जीवन में गहरे पैठे हुए हैं। उनकी कथा आश्चर्यजनक रूप से हजारों वर्षों से विभिन्न रूपों में आमजनों के सामने न केवल आदर्श प्रस्तुत करती रही है बल्कि उसे जीवन के संघर्षों के बीच खड़े रहने के लिए सम्बल भी देती आ रही है। विजयादशमी की तिथि श्रीराम की कथा का एक चरम बिंदु है जब वे आततायी रावण से धरती को मुक्त करते हैं और ऐसे रामराज्य की स्थापना करते हैं जिसमें जन जीवन संतुष्ट और प्रसन्न है। उसे दैहिक, दैविक या भौतिक किसी तरह का ताप नहीं है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी स्वराज के रूप में रामराज्य की कल्पना की थी पर इस कल्पना को साकार करने के मार्ग में हम अभी बहुत दूर खड़े हैं। स्वराज का स्वप्न अभी भी अधूरा है। श्रीराम की कथा भी नाना प्रकार के संघर्षों की महागाथा है और भारत की स्वतंत्रता के बाद की कथा में बंधुता, समता और समानता का संघर्ष आज भी जारी है। ऐसे में श्रीराम का स्मरण दिलासा देता है। श्रीराम की कथा आज भी अत्यंत लोकप्रिय है। अब दशहरा के पूर्व धूमधाम से दुर्गा पूजा का उत्सव भी जुड़ गया है। देवी दुर्गा के पंडाल स्थानीय जीवन से जुड़े दृश्यों को भी दर्शाते हैं और भक्तों के लिए शक्ति का आवाहन का अवसर भी देते हैं। दूसरी रामलीलाओं का भव्य आयोजन भी किया जाता है।

जीवन के कठिन सत्य को दिखाते हुए विभिन्न पात्रों की सहायता से रामलीला सभी रसों के अनुभव द्वारा रंजन करने के साथ श्रोता और दर्शक के व्यथित चित्त के विश्राम लिए अवसर भी उपलब्ध कराती है। इसकी लोकप्रियता इसलिए भी है कि सबको राम बड़े जाने-पहचाने और अपने से लगते हैं। वे भी जीवन के उन सभी तरह के उतार-चढ़ावों के साथ दुख-दर्द सहते हुए आगे बढ़ते हैं जो किसी के साथ घटित होते हैं या हो सकते हैं। परिवार, समुदाय और समाज के बीच पनपने वाले हर छोटे-बड़े नाते-रिश्तों के सारे दर्द और उल्लास के भोक्ता राम की कथा के मुकुर में सबको अपना अक्स दिख जाता है। उन सबको झेलते हुए और उनके प्रभावों को आत्मसात कर आगे बढ़ते हुए राम सहज स्वभाव के साथ एक से एक कठिनाइयों को पार कर नई से नई ऊंचाई पर पहुंचते हैं। मानव शरीर धारण करने पर जीवन के कठोर सत्य की कसौटी पर वे हमेशा ही कसे जाते हैं। किशोरावस्था से ही उनके सामने जो चुनौतियों की शृंखला शुरू होती है उसका जीवन में कभी अंत नहीं हुआ पर सारे कष्टों के बीच वे अविचल भाव से स्थित रहे। प्रतापी राजपुत्र होकर भी उनके जीवन में राजमहल, वन, गिरि-प्रांतर, समुद्र तट हर कहीं जाना बदा था और उन स्थलों पर लम्बी अवधि तक रहते हुए अतीत को छोड़ वर्तमान में उपलब्ध वल्कल, कंद मूल के साथ पर्णकुटी में सीमित साधनों के सहारे जीवन-यापन करना अनिवार्य था। पर इस विकट परिस्थिति में भी वे अपने पूरे परिवेश के साथ अनुकूलित रहते थे। उनके लिए आसपास का कोई भी प्राणी 'अन्य' नहीं रहा, सभी अनन्य हो गए थे। वे गिरिजन, वनचारी और वानर सभी के हित के लिए जुटे रहे। करुणा और पर-दुखकातरता की भावना से ओत-प्रोत श्रीराम ने उन सबसे प्रेम तथा सौहार्द का रिश्ता बनाया और निभाया। ऐसे अनेक प्रसंग भी आते हैं जब वीर, धनुर्धर और अप्रतिम योद्धा होकर भी वे सामने वाले दोषी को अवसर देते हैं और 'क्षमा वीर का भूषण है' इस कहावत को चरितार्थ करते हैं। दूसरी ओर वे मोह और अहंकाराग्रस्त रावण का वध करने में भी नहीं सकुचाते।

अपने प्रेरक और जीवंत आकर्षण से साहित्य और संस्कृति की अनेक विधाओं में संस्कृत साहित्य, हिंदी साहित्य ही नहीं अनेकानेक भाषाओं और लोक साहित्य में राम छाए हुए हैं। भारत और कई अन्य देशों की सांस्कृतिक परम्पराओं में राम की विभिन्न छवियों के साथ न केवल रामायण लिखी गई है बल्कि रामचरित का चित्रों में अंकन किया गया है। रामलीलाओं के भी अनेक रूप मिलते हैं जिनमें स्थानीय संस्कृति का पुट होता है। राम कथा को सस्वर ललित ढंग से कहने वाले व्यास गणों की भी अनेक परम्पराएं हैं जो बड़े ही सर्जनात्मक ढंग से श्रोताओं को राम की जीवन-यात्रा में सहभागी बनाते चलते हैं। ऐसा करते हुए वे रामचरित के विभिन्न प्रसंगों की सहायता से उदात्त मानवीय पक्षों को उद्घाटित करते हैं। इन लोकप्रिय आयोजनों में राम के संघर्ष, उनकी उलझन और वेदना को बड़े ही सरस और सुग्राह्य ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जाता है। राम को धर्म का विग्रह कहा गया है: रामो विग्रहवान धर्मः। एक व्यापक अर्थ में राम का चरित धर्म मार्ग की चुनौतियों और उसके विचलन से उठने की मुश्किलों अर्थात जीवन के आधारों की मर्यादा स्थापित करने की राह में आने वाले प्रश्नों से रूबरू कराता है। गांव का अनपढ़ भी इनसे शिक्षित होता है और एक तरह के विवेक के भाव की अनुभूति करता है।

कहना न होगा कि विगत सहस्राधिक वर्षों में रामकथा भारत के जातीय मानस में इस तरह समा चुकी है कि उसकी स्मृति अभी भी अक्षुण्ण बनी हुई है। वाल्मीकि, कम्बन, भवभूति और तुलसीदास आदि महान कवियों ने राम के भाव की नए-नए ढंग से सर्जना की है। वाल्मीकि तो कथा कहते भी हैं और खुद कथा के एक पात्र भी हैं। श्रीराम सारे भारतीय समाज में न केवल आख्यानों और जनश्रुतियों के नायक हैं बल्कि आज भी विभिन्न मांगलिक अनुष्ठानों में लोकगीतों में विभिन्न अवसरों पर राम ही माध्यम बनते हैं। उनके नाम को सबने अपनाया है और सबने अपने-अपने ढंग से राम में अपने प्राप्तव्य को खोजा और पाया है। यह कथा देश से बाहर थाईलैंड और इंडोनेशिया तक पहुंची। अनय संस्कृतियों के सम्पर्क में वाल्मीकि की मूल कथा ने कई रूप धारण किया है और उसमें बदलाव होते रहे हैं। भारत की अधिकांश और कई विदशी भी भाषाओं में न सिर्फ अनुवादित हुई है बल्कि बार-बार रची जाती रही। इसके चलते आज न केवल कई तरह की रामायण उपलब्ध है बल्कि राम से जुड़े काव्य, उपन्यास और नाटकों की भी बहुत विशाल संख्या है। यह क्रम अभी भी जारी है। यह श्रीराम कथा की मूल्यवत्ता का ही प्रमाण है। हम उसे स्मरण और अनुभव करते हुए श्रीराम की ओर अग्रसर होने की आकांक्षा भी रखते हैं।

देश काल की सीमाओं का अतिक्रमण करती हुई श्रीराम की कथा शौर्य, धर्म, सत्य, चरित्र, मैत्री, दया, करुणा और नैतिकता जैसे मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा करती है। ठीक इसके विपरीत रावण एक ऐसे शूरवीर और विद्वान के रूप में उपस्थित होता है जो धर्म, करुणा, दया, न्याय से रहित है। विजयादशमी का पर्व रावण के नाश का स्मरण दिलाता है। हम प्रति वर्ष यह अनुष्ठान करते हैं। आज के सामाजिक संदर्भों में जहां गरीबी, शक्तिवान का वर्चस्व, सत्ता और वर्ग भेद के वश में लोग दिग्भ्रमित हो रहे हैं और हिंसा, भ्रष्टाचार, दुष्कर्म और अपराध प्रबल होते जा रहे हैंय सत्य की पुकार अधिक मूल्यवान होती जा रही है। हमें अपने अंदर झांकना होगा और अपने राम को जगाना होगा।

(लेखक महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विवि, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

राज्यपाल केंद्र के 'दूत' या भाजपा के..?

हमारे भारतीय संविधान में राज्यों में नियुक्त किए जाने वाले राज्यपालों को राष्ट्रपति या केन्द्र सरकार 'दूत' या राज्य का संवैधानिक मुखिया माना गया है और राज्यपाल के पद पर नियुक्त होने वाले शख्स को शपथ ग्रहण के पूर्व अपने राजनीतिक दलीय सम्बंधों के लिखित रूप से तिलांजली देनी होती है और पद की शपथ के दौरान ''बिना किसी भेदभाव या पूर्वाग्रह के अपने संवैधानिक दायित्व के निर्वहन'' की शपथ लेनी होती है, किंतु आज क्या राज्यों के राज्यपालों द्वारा इस शपथ का ईमानदारी से अनुपालन किया जा रहा है? अब तो मौजूदा राज्यपालों पर उनकी निष्पक्षता तथा पूर्वाग्रही सोच को लेकर अनेक सवाल उठाए जा रहे है, विशेष कर उन राज्यों के राज्यपालों पर जिन राज्यों में गैर भाजपाई दल सत्ता में है, इसी कारण स्वतंत्र भारत के इस संवैधानिक पद के सामने प्रश्नचिन्ह लगने लगा है, जिसके ताजा उदाहरण महाराष्ट्र तथा पश्चिम-बंगाल के महामहिम राज्यपाल महोदय है।

आज देश के सामने आए दिन ऐसे उदाहरण सामने आ रहे है जब कहीं न कहीं संवैधानिक मर्यादाएँ टूटती स्पष्ट नजर आती है, फिर वह चाहे राज्यों के राजभवन हो, या कि संवैधानिक संगठन और अब तो धीरे-धीरे हमारी स्वतंत्रत न्यायपालिका भी इसके दायरे में लाई जाने लगी है। अब लोकतंत्र के महल में दिनोंदिन तेजी से चौड़ी होती जा रही इस दरार के लिए लोकतंत्र के महत्व के किस स्तंभ को दोषी ठहराया जाए? यह तो प्रश्नाधीन है किंतु चूंकि केन्द्र सरकार व महामहिम राष्ट्रपति जी लोकतंत्र व संविधान के घोषित रूप से संवैधानिक संरक्षक है, इसलिए केन्द्र व महामहिम पर ही अंगुली उठना स्वाभाविक है।

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने पिछले दिनों वहां की शिवसेना सरकार को मंदिरों के खोले जाने का आदेश जारी कर विवाद को जन्म दिया कानून व्यवस्था चूंकि निर्वाचित सरकार के दायरें का विषय है, इसलिए इसमें हस्तक्षेप सरकार को नागवार गुजरा और मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को उनकी ''सलाह की जरूरत नहीं'' का टका सा जवाब देकर राज्यपाल का आदेश मानने से इंकार कर दिया। इस प्रकरण पर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी राज्यपाल के प्रति नाराजगी जाहिर की। अब जिस प्रदेश में माननीय कोश्यारी जी मुख्यमंत्री रहे, उसी उत्तराखण्ड के उच्च न्यायालय ने कोश्यारी जी के राजभवन एक नोटिस भेजा है, जिसमें उनके देहरादून स्थित सरकारी आवास का बाजार दर पर निर्धारित शेष किराए की राशि तत्काल जमा करने और माननीय न्यायालय का पूर्व आदेश नहीं मानने पर न्यायालय की अवमानना का नोटिस जारी किया है। क्या कोश्यारी ने संवैधानिक पद की शपथ के पूर्व न्यायालय की इस औपचारिकता की पूर्ति करने की चिंता नहीं की? क्या केन्द्र के अंग राज्य के राज्यपाल को न्यायालय द्वारा दिए गए इस नोटिस से केन्द्र सरकार का अपमान नहीं हुआ? अब केन्द्र इस पर अपनी क्या प्रतिक्रिया व्यक्त करता है? उसकी तो प्रतीक्षा है, किंतु क्या राज्यपाल के इस कृत्य से केन्द्र को आरोपों के कटघरें में खड़े होने को मजबूर नहीं होना पड़ा? करीब-करीब यही हाल पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ी जी के है, वे भी अपने ही प्रदेश की ममता की सरकार को कोसने और प्रताड़ित करने का कोई मौका नहीं चूकते, चूंकि वहां अगले साल विधानसभा चुनाव होना है, इसलिए महामहिम के राजनीतिक तीर और अधिक तीखे होते जा रहे है।

इसी बीच अब गैर-भाजपा शासित राज्यों में केन्द्र सरकार द्वारा किसानों के कथित हित में पारित तीन अध्यादेश विरोध का मुद्दा बनते जा रहे है, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केन्द्र द्वारा जारी इन अध्यादेशों को अमान्य कर अपने-अपने राज्यों में किसानों के कथित हित में नए अध्यादेश जारी करने का फैसला लिया है, जिसकी पंजाब के मुख्यमंत्री ने शुरूआत भी कर दी है, केन्द्र की मौजूदा सरकार व गठबंधन से हाल ही में अलग हुए अकाली दल ने भी कांग्रेस सरकार का इस मामले में समर्थन किया है, आम आदमी पार्टी का भी समर्थन मिल गया है। अब इस बारे में कांग्रेसी राज्यों के राज्यपाल सचेत हो गए है और किसान सम्बंधी कांग्रेसी अध्यादेशों को पारित करवाने के लिए राज्य विधानसभाओं के आहूत करने हेतु विशेष सत्र की अनुमति देने में आनाकानी कर रहे है, छत्तीसगढ़ इसका ताजा उदाहरण है जहां की राज्यपाल ने विशेष सत्र बुलाने के राज्य सरकार के प्रस्ताव पर अनेक सवाल खड़े किए है।

ओमप्रकाश मेहता लेखक

ये तो चंद उदाहण है, गैर-भाजपाशासित राज्यों में जाकर यदि तफ्तीश की जाए तो राज्यपालों की भूमिका को लेकर अनेक मामले मिलेंगे। जो भी हो, किंतु क्या दुनियाँ के सबसे बड़े इस लोकतंत्र देश में संवैधानिक मर्यादाओं की ऐसी हत्याएँ किसी भी दृष्टि से उचित कही जा सकती है? क्या यह हमारे पवित्र संविधान व उसकी मर्यादाओं का हनन नहीं है?

पाक के आएंगे और बुरे दिन

सिद्धार्थ शंकर

फाइनेंशियल एक्शन टॉस्क फोर्स की पेरिस में हुई ऑनलाइन बैठक में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में ही रखे जाने पर फिर से मुहर लग गई है। एफएटीफने बताया कि पाकिस्तानी सरकार आतंकवाद के खिलाफ 27 सूत्रीय एजेंडे को पूरा करने में विफल रही है। एफएटीएफने यह भी कहा कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधित आतंकवादियों के खिलाफ भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। दक्षिण एशिया में इस तरह की आतंकी फंडिंग की वकालत करने वाले पाक पीएम इमरान खान और पाक सेना के लिए यह फिर से एक शर्मिंदगी का मौका है। कोरोना वायरस महामारी के कारण पाकिस्तान को अपनी 27 सूत्रीय कार्ययोजना को पूरा करने के लिए तीन महीने का और समय मिल गया है, मगर उसकी जैसी हरकतें हैं, उसे देखकर लगता नहीं कि वह उम्मीदों पर खरा उतर पाएगा। एफएटीएफ की प्लेनरी में पाकिस्तान के बचाव के लिए तुर्की जरूर खुलकर बैटिंग करता दिखा। उसने सदस्य देशों को दलील दी कि हमें पाकिस्तान के अच्छे काम पर भी विचार करना चाहिए और 27 में 6 मानदंडों को पूरा करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना चाहिए। लेकिन, एफएटीएफ के बाकी देशों ने तुर्की के इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

गौरतलब है कि कर्ज से दबे पाकिस्तान ने एफएटीएफ की ग्रे सूची से निकलने की कोशिश के तहत अगस्त महीने में 88 प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं पर वित्तीय पाबंदी लगाई थी। इनमें मुंबई हमले का सरगना और जमात-उद दावा प्रमुख हाफिज सईद, जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम भी शामिल है।

भारत ने पाकिस्तान की सच्चाई से दुनिया के सामने पर्दा उठाया और बताया था कि पाक ने 27 में से सिर्फ 21 बिंदुओं पर काम किया है और अभी भी वहां आतंकियों को पनाह दी जा रही है। भारत ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया और दाउद इब्राहिम जैसे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। भारत ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कही इकाइयों और लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा है कि एफएटीएफ के 6 ऐसे अहम बिंदु हैं जिन पर पाकिस्तान ने कोई काम नहीं किया है।

कुछ दिन पहले ही पाकिस्तानी विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने तुर्की, मलेशिया और सऊदी अरब से सहायता मांगी थी। एफएटीएफ ने कहा कि पाकिस्तान ने आजतक हमारे 27 कार्ययोजनाओं में से केवल 21 को ही पूरा किया है। अब इसे पूरा करने की समयसीमा खत्म हो गई है। इसलिए, एफएटीएफ 2021 तक पाकिस्तान से सभी कार्ययोजनाओं को पूरा करने का अनुरोध करता है। इसके अलावा नामित करने वाले चार देश-अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी भी पाकिस्तान की सरजमीं से गतिविधियां चला रहे आतंकी संगठनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की उसकी प्रतिबद्धता से संतुष्ट नहीं हैं। एफएटीएफ ने पाकिस्तान को आतंकवाद के वित्तपोषण को पूरी तरह रोकने के लिए कुल 27 कार्ययोजनाएं पूरी करने की जिम्मेदारी दी थी जिनमें से उसने अभी 21 को पूरा किया है और कुछ काम पूरे नहीं कर सका है।

अब पाकिस्तान एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में बना है तो उसकी आर्थिक स्थिति का और बेड़ा गर्क होना तय है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ), विश्व बैंक और यूरोपीय संघ से आर्थिक मदद मिलना भी मुश्किल हो जाएगा। पहले से ही कंगाली के हाल में जी रहे पाकिस्तान की हालात और खराब हो जाएगी। दूसरे देशों से भी पाकिस्तान को आर्थिक मदद मिलना बंद हो सकता है। क्योंकि, कोई भी देश आर्थिक रूप से अस्थिर देश में निवेश करना नहीं चाहता है। पाकिस्तान का सार्वजनिक ऋण इस साल जून तक बढ़कर 37,500 अरब पाकिस्तानी रुपए या सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 90 प्रतिशत हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सिर्फ इस साल ही कर्ज चुकाने पर 2,800 अरब रुपए खर्च करेगा जो संघीय राजस्व बोर्ड के अनुमानित कर संग्रह का 72 प्रतिशत है। दो साल पहले जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार सत्ता में आई थी, तब सार्वजनिक ऋण 24,800 लाख करोड़ रुपये था, जो तेजी से बढ़ रहा है।

बता दें कि पाकिस्तान को जून 2018 में इस सूची में डाला था। अक्टूबर 2018 और फरवरी 2019 में हुए रिव्यू में भी पाक को राहत नहीं मिली थी। पाक एफएटीएफ की सिफारिशों पर काम करने में विफल रहा है। इस दौरान पाकिस्तान में आतंकी संगठनों को विदेशों से और घरेलू स्तर पर आर्थिक मदद मिली है। एफएटीएफ द्वारा ब्लैकलिस्ट में शामिल किए जाने पर पाकिस्तान को उसी श्रेणी में रखा जाएगा जिसमें ईरान और उत्तर कोरिया को रखा गया है और इसका मतलब यह होगा कि वह अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों जैसे आईएमएफ और विश्व बैंक से कोई ऋण प्राप्त नहीं कर सकेगा। इससे अन्य देशों के साथ वित्तीय डील करने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

'कश्मीर' पर अब 'राजनीति' बंद करिए

संयोग गुप्ता

भारत में अभिव्यक्ति यानी बोलने की स्वतंत्रा का दुरुपयोग हो रहा है। जिम्मेदार पद पर बैठे लोग गलत बयानी करते रहते हैं। उनकी असंसदीय टिप्पणी और बयानों का समाज और राष्ट्र पर क्या प्रभाव पड़ेगा इस बेफ्रिक रहते हैं। जिसकी वजह से समाज में हिंसा, घृणा, जातिवाद, अलगाववाद की जड़ें मजबूत हो रहीं हैं। अभी हाल में उच्चतम न्यायालय ने तबलीगी जमात के मामले में साफ तौर पर कहा है कि देश में बोलने की आजादी का दुरुपयोग किया जा रहा है। सरकार को इस मामले में अदालत ने फटकार भी लगाई है। जब से वर्चुअल मीडिया का अभ्युदय हुआ है तब से यह स्थिति और घातक हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री फारुख अब्दुल्लाह की तरफ से कश्मीर पर दिया गया एक विवादित बयान इसी की कड़ी है।

फारुख के इस बयान के खिलाफ पूरे देश भर में विरोध हुआ है। लोग उन्हें भारत विरोधी और देशद्रोही बता रहे हैं। सोशलमीडिया पर इस बयान की तीखी आलोचना हो रहीं है। सरकार से लोग उन्हें जेल भेजने की मांग कर रहे हैं। निश्चित रूप से इस बयान की जितनी निंदा की जाय कम है। कश्मीर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुखर विरोध किया है। कश्मीर में धारा- 370 और 35- ए की समाप्ति के बाद कश्मीरी नेताओं को घाटी का महौल शांत रखने के लिए नजरबंद किया गया था। महबूबा मुफ्ती भी रिहाई के बाद जहरीले बोल बोले हैं। फारुख अब्दुला का बयान भारत के खिलाफ है। उस हालत में और जब दोनों देशों के बीच युद्ध के हालात हों, फिर फारूक कश्मीर और देश को क्या संदेश देना चाहते हैं यह पता नहीं है। फारुख ने कहा है कि कश्मीर से धारा 370 हटने की वजह से भारत और चीन के बीच तनाव है। चीन भारत की इस नीति के खिलाफ है और उसकी कोशिश है कि 370 की पुन: बहाली हो। यह फारुख का दिवा स्वप्न है कश्मीर अब कोई मसला नहीं है। दुनिया भारत के कदम का कबूल कर चुकी है। तुम्हें क्या कबूल है यह तुम्हारी मर्जी।

पूर्व मुख्यमंत्री के इस बयान से साफहोता है कि फारुख और दूसरे राजनीतिक दल धारा- 370 के मसले की मशाल अभी जिंदा रखना चाहते हैं। क्योंकि अलगाववादी और कश्मीरी नेताओं के पास कोई मसला नहीं है। घाटी की पुरी सियासत इसी पर आधारित होगी। कश्मीरी नेताओं की यह पुरी साजिश होगी कि आम कश्मीरी कभी मुख्यधारा में ना लौटे। क्योंकि अगर ऐसा हो गया तो फिर उनकी राजनीति कैसे चलेगी। आज भी आम कश्मीरी देश के साथ है। वह किसी भी प्रकार की अलगाववादी नीतियों का समर्थन नहीं करता है। वह घाटी में अमन चाहता है। लोग लोकतांत्रिक व्यवस्था में सहभागी बनना चाहते हैं। लेकिन फारुख जैसे बेशर्म और तुम्हारी साजिश कामयाब होने वाली नहीं है। अब चीन नहीं उसका बाप भी भारत का कुछ नहीं बिगाड़ सकते हैं।

फारुख अब्दुल्ला जैसे लोग शांत घाटी में एक रणनीति के तहत काम कर रहें हैं। कश्मीर में धारा- 370 हटने के बाद वहां शांति है। जिसकी वजह से राजनेताओं को सरकार रिहा कर रहीं है। काश्मीर में ठंड के साथ घाटी में बर्फबारी शुरू हो जाएगी। जिसके बाद पाकिस्तान से आतंकवादियों की घूसपैठ आसान नहीं होगी। उस हालात में कश्मीरी नेता इस तरह का बयान देकर वहाँ एक महौल पैदा करना चाहते हैं। इस तरह के बयानों के बाद निश्चित रूप से भारत विरोधी महौल तैयार होगा। आम कश्मीरी नागरिकों की भावनाओं से खेला जाएगा। घाटी में आक्रोश पैदा करने की कोशिश होगी। हिंसा और आगजनी भड़काने की साजिश रची जाएगी। जिसे रोकने के लिए सेना और पुलिस अपना काम करेंगी। जबकि अब्दुल्ला सेना और पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ महौल बनाएंगे। लोकतंत्र की दुहाई देंगे। मीडिया के माध्यम से दुनिया से अपील करेंगे कि कश्मीर में लोकतंत्र का गलाघोंटा जा रहा है। पुलिस और सेना मानवधिकारों के प्रति दमनकारी नीति अपना रही है। फिर चीन और पाकिस्तान कश्मीर पर यूएन में विलाप करेंगे। कश्मीर को लेकर दुनिया में एक महौल तैयार किया जाएगा। लेकिन अब यह सब सम्भव नहीं है। सरकार और सेना को ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर नीति अपनानी चाहिए। क्योंकि कश्मीर अब कोई मुद्दा नहीं है।

भारत विरोधी मुहिम में लगा कश्मीर का कोई भी राजनेता कभी भी राष्ट्रवाद की बात नहीं करता है। वह फारुख अब्दुल्लाह , उमर, गिलानी, महबूबा, मुफ्ती मोहम्मद सईद और अनगिन चाहे जो लोग रहे हों सभी ने कश्मीर पर भारत की नीतियों का खुला विरोध किया है। सवाल उठता है कि कश्मीरी नेता भारत से कश्मीर को अलग क्यों देखते हैं। वह विशेष राज्य का दर्जा क्यों चाहते हैं। वह भारत में रहकर कश्मीर को अलग क्यों मानते हैं। राष्ट्र की मुख्यधारा और उसकी आत्मा से क्यों नहीं जुड़ना चाहते हैं। आम कश्मीरी को कोई दिक्कत नहीं है। वह चाहता है कि घाटी का महौल शांत रहें। यहाँ अमन- चयन लौटे। सेब की अच्छी खेती हो। डल झील में शिकारा आबाद रहे। भारी संख्या में पर्यटक आएं और उनकी रोजी- रोटी चलती रहे। देश के साथ दुनिया भर के सैलानी कश्मीर की खूबसूरती देखना चाहते हैं। लेकिन अलगाववादी और राजनेता चाहते हैं कि कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मसला बनाए रखा जाए। यह कैसी घृणित सोच है।

फारुख अब्दुल्ला ने कहा है कि हमने धारा- 370 हटाने को कभी स्वीकार नहीं किया है। जो इन्होंने पाँच अगस्त को किया है, वो यहाँ कबूल करने के लिए कोई तैयार नहीं है। फारुख अब्दुल्ला आप जैसे अनगिनत लोग इसे कबूल नहीं करना चाहते हैं। अब आपके चाहने से देश नहीं चलेगा। देश आम सहमति से चलेगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था से चलेगा। आपके कठमुल्लेपन से नहीं चलेगा। जिस पाकिस्तान और चीन की हिमायत करते हो क्या पाकिस्तान और चीन में जाकर 'भारत जिंदाबाद' के नारे लगा सकते हो? अगर दम है तो करके दिखाओ, फिर भारत विरोधी बात करो। चीन में उईगर मुसलमानों की बात क्यों नहीं उठाते हो। पाकिस्तान में हिन्दुओं की प्रताड़ना पर क्यों आँखों पर पट्टी बाँध लेते हों। कश्मीरी पंडितों के पलायन पर क्यों साँप सूंघ जाता है। फारुख अब्दुल्ला, मैडम महबूबा जैसे लोग पाकिस्तान और चीन परस्त बातें कभी भूल कर भी नहीं करते, लेकिन हमारी राजनीति और सत्ता की चाहत ने उन्हें आँखों पर बिठा दिया। यह बोलने की आजादी का सीधा दुरुपयोग है। सरकार को राष्ट्र विरोधी तागतों के खिलाफ सख्त से सख्त क़दम उठाने चाहिए। इस तरह के बयानों से देश की एकता और अखंडता कमजोर होती है।

महिलाओं के मान-सम्मान से खिलवाड़ क्यों नेताजी?

मध्यप्रदेश उपचुनाव की तपिश जैसे-जैसे बढ़ रहीं है। सियासत के रणबाकुरों की भाषा उससे भी तेज गति से बिगड़नी शुरू हो चुकी है। चुनाव जीतने की फ़िक्रत में सियासतदां किसी पर निजी लांछन लगाने से भी बाज नहीं आ रहें हैं। येन-केन प्रकारेण सत्ता का सुख मिलना चाहिए, फिर उसके लिए किसी की साख से खेलना पड़े या चरित्र से। सब करने को रणभेरी में राजनेता तैयार दिखते हैं। राजनीति में एक समय था कि शुचिता और राजधर्म की बात होती थी। आज ये बातें सिर्फ कोरी-लफ्फाजी से अधिक कुछ नहीं बची हैं। चुनाव अब लोकतंत्र का पर्व नहीं मानो आपसी लड़ाई का अवसर बन गया है। जिसमें किस पर कौन सबसे ज्यादा कीचड़ उछालेगा। इसकी होड़ लगी रहती है। कौन भाषा के निम्नतर स्तर पर जा सकता, कभी कभी तो लगता इसी से विजेता का चुनाव होना है। भारतीय लोकतंत्र में अब चुनाव प्रचार के दौरान विकास के मुद्दों की बात नहीं होती, बल्कि निजी आक्षेप पर जोर दिया जाता है।

मशहूर शायर फैज अहमद फैज की चंद पंक्तियां याद आती है। जिसमें वे कहते हैं कि- 'बोल के लब आजाद है तेरे।' ऐसे में एक बात तो तय है जब फैज साहब ने यह पंक्तियां कही होगी तो शायद ही उनके दिलों-दिमाग मे ये बात रही हो कि लब आजाद का अर्थ राजनेता भाषा की सारी मर्यादा लांघने से निकालेंगे। वैसे इतिहास साक्षी है। जब-जब सियासतदानों के सुर बिगड़े हैं। तब-तब महिलाओं के दामन और चरित्र पर वार किया गया है। महिलाओं के चाल-चरित्र पर अंगुली उठाना तो जैसे राजनेताओं का राजधर्म बन गया हो। एक सभ्य लोकतंत्र तो इसकी इजाजत नहीं देता कि आधी आबादी के मान-सम्मान के साथ खेला जाएं? लेकिन संविधान और विधान की फ़िक्र कहाँ होती रहती है किसी को। स्त्री जाति तो नेताओं और पितृसत्तात्मक समाज के लिए जैसे खिलौना हो। जब जी चाहा जैसे इस्तेमाल कर लिया। यह नियति उस समाज के लिए तो कतई उचित नहीं। जो महिलाओं को पूजने में विश्वास करता रहा हो। लेकिन आज हम भले आजादी के सात दशक को पार कर चुके हैं। शिक्षित हो गए हैं, लेकिन हमारी सोच निम्नतर ही हुई है।

तभी तो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में भी अमर्यादित भाषा का वायरस लग चुका है। राजनीति का अर्थ यह तो कतई नहीं है, कि आप अपनी राजनीति चमकाने के लिए महिलाओं के मान-सम्मान को ही तिलाजंलि दे दें। लेकिन आज हो वही रहा है और इस निकृष्ट खेल में पीछे कोई नजर नहीं आता।

चलिए मान लिया संविधान का अनुच्छेद 19-(ए) हमें बोलने की आजादी देता है, लेकिन इसका मतलब यह तो कतई नहीं कि आप किसी महिला का चाल-चरित्र किसी खास शब्द से रेखांकित करें। इसकी इजाजत तो संविधान भी नहीं देता। राजनीति को निजी स्वार्थ सिद्धि का जरिया बनाना है तो बनाइए सियासत के शूरवीरों, लेकिन किसी महिला का अपमान करना यह जायज नहीं। किसी महिला को आइटम कहना कहाँ की शोभनीय बात है? राजनेता जब ऐसे निकृष्ट बयान देते तो क्या वे अपने घर-परिवार की मां,बहन और बेटियों को भूल जाते हैं? इतना ही नहीं क्या उनके घर की महिलाओं के बारे में कोई ऐसी बयानबाजी करेगा तो वे चुपचाप सुन लेंगे? लाख टके का सवाल तो यही है। कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने इमारती देवी को 'आयटम' कहा। वैसे ऐसी घटिया मानसिकता का प्रदर्शन किसी राजनेता द्वारा पहली बार नहीं किया गया है। ऐसी औछी मानसिकता का एक लम्बा इतिहास है, जो महिलाओं के खिलाफ अनर्गल प्रलाप करके अपनी गिरी हुई कुठित मानसिकता का प्रदर्शन करते हैं। वैसे कमलनाथ ने इमारती देवी को 'आइटम' कहा। उसके बाद माफी मांग लेते तो भी मामला आया-गया हो जाता, लेकिन उसके बाद उन्होंने जिस हिसाब से सफाई पेश की। उस बात ने कहीं न कहीं कमलनाथ की छवि को जनता-जनार्दन के सामने लाने का कार्य किया है।

एक तरफ देश में महिलाओं के विरुद्ध अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा। दूसरी तरफ जनप्रतिनिधियों की महिलाओं के सम्बंध में ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणी। फिर कैसे समझा जाएं कि जनप्रतिनिधियों की फौज आधी आबादी की सुरक्षा और बेहतरी के लिए सजग और तत्पर है? कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री मंत्री ने 'आइटम' शब्द का उपयोग करके नारी शक्ति को अपमानित किया। तो इसके पहले महाराष्ट्र सपा के अध्यक्ष अबू आजमी ने एक बार कहा था कि यदि कोई महिला बलात्कार केस में पकड़ी जाती है तो लड़के और लड़की दोनों को सजा दी जानी चाहिए। इसके अलावा 26 जुलाई 2013 को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने स्वयं को राजनीति का पुराना जौहरी करार देते हुए मंदसौर में अपनी ही पार्टी की एक महिला सांसद तथा राहुल गांधी की एडी मीनाक्षी नटराजन को '100 फीसदी टंच माल' करार दिया था। वहीं 11 अप्रैल 2014 को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने सामूहिक बलात्कार के एक केस में अदालत द्वारा तीन आरोपियों को मृत्युदंड सुनाए जाने पर कहा 'लड़के, लड़के हैं। गलती हो जाती है। लड़कियां पहले दोस्ती करती हैं। लड़के- लड़की में मतभेद हो जाता है तो उसे रेप का नाम दे देती हैं। क्या रेप केस में फांसी दी जाएगी? एक अन्य अवसर पर मुलायम सिंह यादव बोले केवल अमीर वर्ग से संबंधित महिलाएं ही जीवन में आगे बढ़ सकती हैं लेकिन ग्रामीण महिलाओं को कभी मौका नहीं मिलेगा क्योंकि आप इतनी आकर्षक नहीं होती।'

एक बार गोवा के मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पारसेकर ने अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रही नर्सों से कहा 'आप लोग धूप में भूख हड़ताल ना करें इससे आप का रंग काला पड़ जाएगा और आपकी शादी में दिक्कत आएगी।' तो वहीं 8 अक्टूबर 2015 को कर्नाटक के गृहमंत्री के. जे. जार्ज (कांग्रेस) ने यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि किसी महिला से दो व्यक्तियों द्वारा रेप को गैंगरेप नहीं कहा जा सकता। वही जेडीयू नेता शरद पवार भी बेटियों की इज्जत से कही अधिक वोट की इज्जत तक जैसे बयान अतीत में दिए हैं। शायद उन्हें बेटियों से ज्यादा प्यारी सत्ता और कुर्सी है। तभी तो वो मत को बेटियों से पहले मानते हैं। हद तो तब हुई जब बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने महिलाओं के श्रंगार पर ही सवाल उठा दिए। उनकी नजर में महिलाओं का श्रंगार उत्तेजना भरा होता है और उन्होंने महिलाओं के लिए लक्ष्मण रेखा की वकालत तक कर दी। अब जिस देश के जनप्रतिनिधियों की सोच ही निकृष्ट और औछी हो महिलाओं को लेकर। वह क्या बेटी बचाएंगे और क्या बेटी पढ़ाएंगे? जब सियासत के सुरमा ऐसे बयान देंगे फिर आम लोगों की हिम्मत तो खुद बढ़ जाएगी। फिर बहन-बेटियों के लिए सुरक्षित जगह कहाँ बच पाएगी? इसलिए आधी आबादी को अपनी अस्मिता की रक्षा और अपने स्वाभिमान की लाज के लिए एकजुट होना होगा और अपने हक और सम्मान की लड़ाई लड़नी होगी। तभी एक सुरक्षित और सभ्य समाज में आधी आबादी सांस ले पाएगी, वरना ये सियासत के लम्पट पुजारी तो सिर्फ सत्ता के रस को पहचानते बस।

सोनम लववंशी

न्यूज ब्रीफ

रूक जाना नही के लिए 30 अक्टूबर तक करें आवेदन

माही की गूंज, बड़वानी। हाईस्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूलो में असफल विद्यार्थियो के लिए शिक्षा विभाग ने रूक जाना नही योजना शुरू की है। इस योजना के दूसरे चरण के तहत आवेदन लिए जा रहे है, पहले 25 अक्टूबर तक आवेदन जमा करने की तारीख रखी गई थी, अब इसे बढ़ाकर 30 अक्टूबर कर दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी अर्जनसिंह सोलंकी के अनुसार पूरक परीक्षा का परिणाम आने के बाद यह तारीख बढ़ाई गई है ताकि रूक जाना नही के तहत विद्यार्थियो को आवेदन करने के लिए समय मिल सके। इसके साथ ही राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के लिए भी आवेदन किए जा सकते है, उन्होने बताया कि, यह परीक्षा 13 दिसम्बर को आयोजित की जाएगी।

बंदियों के परिजन एक नवंबर से जेलों में मुलाकात कर सकेंगे

माही की गूंज, बड़वानी। राज्य शासन ने जेलों में परिरूद्ध बंदियों की उनके परिजनों से मुलाकात को एक नवम्बर से प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की है। अब जेलों में परिरूद्ध बंदियों के परिजन जेलों में जाकर उनसे मुलाकात कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि, राज्य शासन ने 21 अगस्त को जेलों में कोरोना वायरस बीमारी से बचाव हेतु बंदियों की परिजनों से मुलाकात को 31 अक्टूबर तक प्रतिबंधित किया था। शासन द्वारा जारी परिपत्र अनुसार बंदियों की परिजनों से मुलाकात के दौरान कोरोना वायरस से बचाव संबंधी राज्य सरकार के निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करना होगा।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कारों के आवेदन की तिथि 30 अक्टूबर

माही की गूंज, बड़वानी। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुनिल सोलंकी से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत सरकार महिला बाल विकास विभाग द्वारा असाधारण क्षमता और उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बाल शक्ति पुरस्कार प्रदाय किया जाता है तथा बच्चों के विकास, सुरक्षा एवं कल्याण के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों तथा संस्थाओं को बाल कल्याण पुरस्कार प्रदान किए जाते है, उपरोक्त पुरस्कारों के आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर थी, किन्तु अब समस्त ऑनलाईन आवेदन 30 अक्टूबर तक किए जा सकते हैं।

31 अक्टूबर को मनाया जाएगा राष्ट्रीय एकता दिवस

माही की गूंज, बड़वानी। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म-तिथि 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत 31 अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई जाएगी। एकता, अखण्डता और सुरक्षा की भावना को मजबूती प्रदान करने के लिए राज्य पुलिस और अन्य वर्दीधारी बलो तथा अन्य एजेंसियो द्वारा 31 अक्टूबर की शाम को मार्च पास्ट का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम वेबकास्ट किए जाएंगे, ताकि सभी आमजन इस कार्यक्रम को देख सके। कार्यक्रम में कोरोना यौद्धा जैसे डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी, सफाईकर्मी इत्यादि आमंत्रित होंगे। कार्यक्रम आयोजित करते समय कोविड-19 के दिशा-निर्देशो का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

सीसीआई ने बुधवार को खरीदा 6 हजार 542 क्विंटल कपास

माही की गूंज, खरगोन।

सीसीआई द्वारा बुधवार को जिले की 6 कपास मंडियों से 6 हजार 542 क्विंटल कपास खरीदा। खरगोन मंडी सचिव रामवीर किरार ने बताया कि सीसीआई द्वारा खरगोन कपास मंडी से 3 हजार क्विंटल कपास की खरीदी की। जबकि भीकनगांव से 1250 क्विंटल, बड़वाह से 350 क्विंटल, कसरावद से 1404 क्विंटल, सनावद से 350 क्विंटल तथा करही कपास मंडी से 188 क्विंटल कपास सीसीआई द्वारा खरीदा गया। मंडी सचिव किरार ने बताया कि बुधवार को खरगोन कपास मंडी में कुल 630 वाहन व 130 बैलगाड़ी नीलामी के लिए आई। इस दौरान 7 हजार क्विंटल कपास की आवक हुई। बुधवार को कपास का अधिकतम भाव 5725 रहा। जबकि न्यूनतम भाव 3800 व औसत भाव 4700 रहा।

कलेक्टर के निर्देशों पर एडीएम ने किया अस्पताल का निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर अनुग्रह पी ने अस्तपाल प्रबंधन सुविधाओं व व्यवस्थाओं को लेकर अपर कलेक्टर बीएल सोलंकी और संयुक्त कलेक्टर अनुकूल जैन को रात्रिकालीन औचक निरीक्षण के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर सोलंकी व संयुक्त कलेक्टर जैन रात्रि साढे 10 बजे अस्पताल पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जनरल वार्ड, मेटरनिटी वार्ड, डिलेवरी कक्ष, ओटी का ऑपरेशन थियेटर और ब्लड बैंक की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी जुटाई। निरीक्षण के दौरान मेटरनिटी कक्ष में आवश्यकता से अधिक परिजनों और कक्ष में गंदगी होने पर स्वीपर और वार्ड बॉय को निर्देश दिए। वहीं प्रसव कक्ष में अमृता बादल की डिलेवरी का समय था और डॉक्टर अनुपस्थित होने पर स्टॉफ नर्स द्वारा अधिकारियों ने कॉल कराया। कॉल करने के 30 मिनट के बाद मरीज को खुन की कमी होने पर खुन की व्यवस्था कर स्लाईन चढ़ाई गई। इस दौरान अधिकारियों ने डॉक्टर बोर्ड रोस्टर के अनुकूल नहीं पाए। साथ ही किस डॉक्टर की ड्यूटी किस समय है, यह लिखा होना भी नहीं पाया। दोनों ही अधिकारियों ने नाजुक हालात में किसी मरीज को ऑपरेशन थियेटर ले जाने की व्यवस्था का भी आंकलन किया। किसी मरीज की नाजूक स्थिति में कैसे ऑपरेशन थियेटर तक पहुंचाया जाता है। इस पर गौर करते हुए दोनों ही अधिकारियों ने डेमो किया। इसके पश्चात ओटी के चेनल गेट पर ताला लगा देख ऑपरेशन थियेटर प्रभारी को कॉल कर बुलाया गया, 20 मिनट बाद प्रभारी के आने के बाद अधिकारियों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए हर समय अस्पताल परिसर में उपस्थित रहने के निर्देश दिए। दोनों ही अधिकारियों ने बताया कि, कलेक्टर के निर्देशों पर औचक निरीक्षण में पाई गई अनियमित्ताओं पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न, प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र पर होगा पेयजल स्त्रोत

माही की गूंज, खरगोन।

स्वामी विवेकानंद सभागृह में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी बीएमओ और चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि, शुक्रवार दोपहर तक स्वास्थ्य संस्थाओं में स्थित पेजयल स्त्रोत की अपडेट जानकारी प्रस्तुत करें। पीएचई विभाग द्वारा जिले में जल मिशन का कार्य किया जा रहा है, विभाग से समन्वय कर प्रत्येक स्वास्थ्य संस्था में पेयजल स्त्रोत सुनिश्चित करना उपचार के साथ-साथ इस कार्य को भी सभी डॉक्टर्स प्राथमिकता में शामिल करें। जिले की भगवानपुरा व झिरन्या जनपद में घर पर ही अधिक प्रसव होने की स्थिति सामने आने पर कलेक्टर ने बीएमओ को निर्देश दिए कि, जनपद में स्थित सभी प्रसव केंद्रों का एक मेप तैयार करें और इन केंद्रों पर बेहतर सुविधाएं उपस्थित कराने के लिए भी कार्यवाही सुनिश्चित करें। मेप में रोड़, जनसंख्या, मोबाईल कवरेज आदि का उल्लेख भी सुनिश्चित किया जाएं, ताकि होम डिलेवरी कम हो और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा मिल सके। साथ ही सभी बीएमओ को निर्देश दिए कि, प्रसव केंद्रों का लगातार निरीक्षण सुनिश्चित किया जाएं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ गौरव बेनल, सिविल सर्जन डॉ. राजेंद्र जोशी, सीएमएचओ डॉ. रजनी डावर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गोगावां बीएमओ शौकॅज जारी

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में एमडीआर की समीक्षा के दौरान अनुपस्थित रहे गोगावां बीएमओ डॉ. दीपक वर्मा को अनुपस्थित पाए जाने पर तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के अंतर्गत ओपीडी की जानकारी नहीं डालने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में कोविड-19 को लेकर सभी बीएमओ व डॉक्टर्स को निर्देश दिए कि फीवर क्लिनिक हमेशा सक्रिय रहे। हालांकि संक्रमण कम हुआ है, लेकिन कोरोना योद्धा होने के नाते हम लोगों की जिम्मेदारी कम नहीं हुई है। निरंतर अपने-अपने क्षेत्रों में मॉनीटरिंग करते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सैंपलिंग करना सुनिश्चित करें। बैठक का आभार शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय भट्ट द्वारा किया गया।

संयुक्त संचालक ने किया टीकाकरण एवं टैगिंग के कार्य का निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में चल रहे राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत गो-भैस वंशीय पशुओं के टीकाकरण एवं टैगिंग कार्य का निरीक्षण भोपाल से आए संयुक्त संचालक डॉ. पीएस पटेल द्वारा किया गया। उपसंचालक पशु चिकित्सा डॉ. एलएस बघेल ने बताया कि, भोपाल से आए डॉ. पटेल ने अपने निरीक्षण के दौरान विकासखण्ड बड़वानी एवं राजपूर के ग्राम सजवानी, रहेगून, बालकुआ, तलवाड़ा बुजुर्ग, भागसूर, साली, कासेल, सिरगुन, सालखेड़ा, जुलवानिया एवं रूई के पशु पालको से सम्पर्क कर उनके पशुओं के किए गए एफएमडी टीकाकरण एवं टैगिंग तथा स्वास्थ्य कार्ड के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्हें डॉ. बघेल ने बताया कि, जिले में अभी तक 4 लाख 94 हजार 324 पशुओं का टीकाकरण एवं टैगिंग का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, शेष पशुओं का भी टीकाकरण एवं टैगिंग का कार्य समय-सीमा में पूर्ण कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा दिलाई गई नागरिक-ईमानदारी की शपथ

माही की गूंज, बड़वानी। ''सतर्क भारत, समृद्ध भारत'' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा महाविद्यालय के पदाधिकारियों एवं विद्यार्थियों को नागरिक - ईमानदारी की प्रतिज्ञा दिलाई गई। उल्लेखनीय है कि, महाविद्यालय मे भी 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर तक चलने वाले सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आरएन शुक्ला ने अपने उद्बोधन मे कहा कि, भ्रष्टाचार हमारे देश की आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक प्रगति की राह में प्रमुख बाधाओं में से एक है। अतः भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए सरकार, नागरिक और निजी क्षेत्र को मिलकर काम करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान रासेयो के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बलराम बघेल ने भी युवाओं से आव्हान किया कि, वे इस सामाजिक बुराई का डटकर सामना करें, जिससे देश में आदर्श व्यवस्थाऐं बरकरार बनी रहे। कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों, विद्यार्थियों ने भाग लिया।

48 वाहनों पर कुल 335 टेंडर ऑफर प्राप्त हुए

माही की गूंज, खरगोन।

आबकारी विभाग द्वारा जिले में अवैध मदिरा के व्यापार व परिवहन में संलिप्त एवं पुलिस विभाग द्वारा कायम किए गए 60 प्रकरणों में जब्त राजसात विभिन्न प्रकार के 60 वाहनों एवं 1 शासकीय वाहन टाटासूमों की नीलाम के लिए निविदाएं आमंत्रित की गई थी। निविदाएं प्रस्तुत करने एवं खोलने के लिए गत मंगलवार को स्वामी विवेकानंद सभागृह में कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त आबकारी मनीष खरे ने बताया कि, इस दौरान 61 वाहनों के विरूद्ध 48 वाहनों पर कुल 335 टेंडर ऑफर नियमानुसार प्राप्त हुए है। इसमें से कुल 48 वाहन, जिनकी ऑफसेट प्राईज 16 लाख 72 हजार 420 रूपए है पर कुल राशि 27 लाख 40 हजार 510 के उच्चतम टेंडर ऑफ प्राप्त हुए है, जो ऑफसेट प्राईज से 10 लाख 68 हजार 90 रूपए अधिक है।

शासकीय भवनों पर होगी विद्युत सज्जा

माही की गूंज, खरगोन। रविवार एक नवंबर मप्र स्थापना दिवस पर प्रदेश में स्थित सभी मुख्य शासकीय भवनों पर विद्युत सज्जा की जाएगी। इस आशय के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. श्रीनिवास शर्मा ने जारी किए है। उन्होंने कहा कि, इस वर्ष कोविड-19 को दृष्टिगत रखते हुए राज्य शासन ने निर्णय लिया है कि, मप्र स्थापना दिवस पर सभी मुख्य शासकीय भवनों पर विद्युत सज्जा की जाए।

उम्मीद है कि सभी मिशन उम्मीद में देंगे अपना सहयोग - कलेक्टर वर्मा

माही की गूंज, बड़वानी।

नीति आयोग के आकांक्षी जिलो में सम्मिलित हमारे जिले में शत-प्रतिशत प्रसव संस्थागत हो, इसके लिए ''मिशन उम्मीद'' प्रारंभ किया गया है। इस मिशन उम्मीद में सभी विभागों के मैदानी अमला, स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी अमले को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेगा, ऐसी उम्मीद सभी से है। जिससे हमारा जिला भी राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप मानको को छू सके।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने बुधवार को आकांक्षी जिले के मानको में सम्मिलित विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए उक्त बाते कही। बैठक के दौरान कलेक्टर ने विश्वास व्यक्त किया है कि, पाटी जैसे दुर्गम क्षेत्र में गर्भवती महिलाओं को समय पर अस्पताल लाना चेलेज भरा कार्य है, किन्तु अगर सभी ठान ले तो यह कार्य उतना मुश्किल भी नही है कि, हम इसे कर ना सके, इस कार्य में मैदानी अमला सफल रहे इसके लिए पाटी विकासखण्ड के लिए विशेष योजना लागू की गई है। अब ग्राम में उपलब्ध किसी भी वाहन से गर्भवती महिलाओं को अस्पताल लाने हेतु निर्धारित किराया दिया जाएगा। अतः मैदानी अमला इस हेतु ग्राम में उपलब्ध वाहन मालिको से चर्चाकर इस व्यवस्था का उपयोग करना सुनिश्चित करें।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि, प्रत्येक माह के तृतीय शनिवार को स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की होने वाली विकासखण्ड स्तरीय संयुक्त बैठक में राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति एवं समीक्षा के बेहतर परिणाम प्राप्त हो रहे है, इसके लिए महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला बधाई का पात्र है, वे इसी प्रकार कार्य करते रहे तो कोई कारण नही कि हम बच्चो एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण, सस्थागत प्रसव, कुपोषित बच्चों को एनआरसी केन्द्र में भर्ती करवाते हुए उन्हें सबल न बना पाए।

शासकीय योजना के कारण अब नहीं खरीदना पड़ेगा प्याज के महंगे कंद

माही की गूंज, बड़वानी। शासकीय योजनाओं से मिले 1 लाख 75 हजार के अनुदान से बड़वानी जिले के ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग के प्याज के बीज उत्पादक करने वाले किसान भगवान काग खुश है। पहली बार वे महंगा प्याज खरीद कर बीज उत्पादन करने के बजाय मात्र 5 रुपए किलो के संग्रहित प्याज से इस बार जो बीज उत्पादन करेंगे।

ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग के किसान भगवान काग ने बताया कि, उन्हें उद्यानिकी विभाग से शासकीय योजनाओं के तहत 1 लाख 75 हजार का अनुदान मिला। जिसके कारण वे अपने खेत पर 3 लाख 50 हजार की लागत से बनने वाला आधुनिक प्याज भंडार गृह बना पाए हैं।

इस आधुनिक प्याज भंडार गृह में उन्होंने अपने खेत से निकली हुई उस प्याज के कंण का संग्रह किया है, जब बाजार में उसका मूल्य मात्र 5 रुपए किलो था। इस बार भी हर वर्ष के समान वर्तमान में प्याज का भाव बढ़कर 75 रुपए किलो हो गया है और जब वे इस कंद को अपने खेतों में लगाएंगे तब तक बाजार में इनका मूल्य और बढ़ चुका होगा।

अब तक नहीं खुली माही परियोजना की नींद, नहरों को साफ-सफाई और मरम्मत की दरकार

रबी की फसल के लिए नहर में पानी छोड़ने का समय निकट

माही की गूंज, पेटलावद।

विभाग की अनदेखी यह है कि रबी की सीजन की बोवनी की तैयारियां अंतिम पड़ाव पर है, किसानों के द्वारा हकाई जुताई के साथ-साथ खेतों की साफसफाई भी पूरी कर ली है, अब इंतजार है तो माही नहरों के पानी का, किंतु माही परियोजना के जवाबदारो की अनदेखी व लापरवाही इन दिनों किसानों पर भारी पड़ती नजर आ रही है, अभी तक नहरों की सफाई का कार्य प्रारंभ नहीं होने से किसानों में आक्रोश है उन्होंने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए विभाग की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगाते हुए कहा कि, जब शासन स्तर पर किसानों के हित के लिए कई कारगर योजनाएं बनाई, जिसमें माही परियोजना किसानों के लिए जीवनदायिनी है और जब से माही नहरों का जाल क्षेत्र में बिछा है तब से किसानों की उन्नति की राह मे काफी कारगर साबित हुई है। उसके परिणाम भी सामने हैं कि, गेहूं उत्पादन में मध्यप्रदेश में कई बार कृषि कर्मण पुरस्कार देश में प्राप्त किए है। उक्त पुरस्कार के लिए नहर को ही प्रमुख माना गया है, ऐसे में विभाग की अनदेखी आने वाले समय में किसानों पर भारी पड़ती नजर आ रही है। माही नेहर की साफसफाई के अभाव में बड़ी-बड़ी घास, मिट्टी और छोटे-बड़े वृक्ष इन दिनों नहर में आसानी से देखे जा सकते हैं। साथ ही कई जगह से नहरे भी क्षतिग्रस्त हो गई है, ऐसे में उनमें सुधार नहीं किया गया तो आधे से अधिक पानी सिंचाई के बिना ही व्यर्थ में बह जाएगा। विशेषकर करडावद से केसरपुरा तक की माही नहरे विभाग की अनदेखी के कारण अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है।

भ्रष्टाचार का दीमक

शासन के द्वारा सिंचाई के लिए अधिक से अधिक पानी किसानों को मिल सके उसके लिए कई कार्य योजना बनाई, किंतु अधिकारियों की लापरवाही के चलते वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। नेहरो से खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए कई किलोमीटर की नालियों का निर्माण किया गया जो कि वर्तमान समय में शोपीस बने हुए हैं।

किसानों का कहना है कि, कई स्थानों पर ऐसी जगह उन नालियों का निर्माण कर दिया जहां से खेतों तक पानी पहुंचना काफी मुष्किल भरा साबित हो रहा है, किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि, नहर से ऊपर नाली का निर्माण करने से कई खेतों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है, ऐसे कई निर्माण कार्य करडावद के बांदारुडा से लेकर केसरपुरा तक आसानी से देखे जा सकते हैं, किसानों का यह भी कहना है कि, सरकार के द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी सिंचाई के लिए प्र्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।

लपता व्यक्ति का 6 दिन बाद पहाड़ी पर मिला शव

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के कालूखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम कंसेर निवासी नागुसिंह पिता भंवरसिंह राठौड़ जो घर से 6 दिनों से लापता थे। लापता की शिकायत कालूखेड़ा थाने पर की गई थी पर पुलिस व्यक्ति को नही ढूंढ पाई, रविवार दोपहर को ग्रामीण अपने खेत पर जा रहे थे की उन्हे पहाड़ी पर एक व्यक्ति का शव दिखा, जिसकी सूचना गांव वालो को कर थाने पर सूचना दी। मोके पर कालूखेड़ा पुलिस पहुची ओर शव की शिनाख्त नागुसिंह राठौड के रूप मे हुई।

थाना प्रभारी ने बताया कि, 3 से 4 दिन पुरानी डेडबॉडी होने से बॉडी डी कम्पोज हो गई है, शव को पीएम के लिए जावरा सिविल हॉस्पिटल भेजा गया, पूरे मामले की जांच चल रहीं है, म्रतक के पुत्र जितेंद्र राठौड ने बताया कि, गुमसुदगी की रिपोर्ट थाने पर की थी पर पुलिस ने कोई मदद नही की 6 दिनों से हम ही ढूंढ रहे थे।

मां दुर्गा की विदाई पर मंदिरों में हुए यज्ञ हवन और अनुष्ठान, नगर में घर-घर हुई कन्या पूजन

माही की गूंज, सारंगी। शक्ति की उपासना नो दिनी पर्व शारदीय नवरात्रि के आखरी दिन रविवार को घर-घर में कन्या पूजन किया गया, साथ ही घट विसर्जन के साथ मंदिरों में यज्ञ-हवन और अनुष्ठानों का समापन भी हुआ। शनिवार को भी लोगों ने अष्टमी का पूजन किया, माता मंदिर में दर्शन पूजन कर भक्तों ने दर्शन लाभ लिया। मंदिरों में जगह-जगह माता का आकर्षक सिंगार किया गया। सदर बाजार, गायत्री मंदिर, माताजी मंदिर, भैरवनाथ, बस स्टैंड माताजी पर भक्तों ने माता जी के दर्शन लाभ लिए, साथ ही इस अवसर पर कोरोना से मुक्ति के लिए मां से भक्तों ने प्रार्थना की।

किसान खुशः खेत पर आने-जाने का रास्ता खुला

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर राजस्व सेवा अभियान में ग्राम उगाह के किसानों के लिए मौके पर जाकर राजस्व विभाग के दल ने रास्ता खुलवाया। राजस्व सेवा अभियान के तहत गत दिवस शुजालपुर जनपद पंचायत के ग्राम उगाह में शिविर लगाया गया था।

शिविर के निरीक्षण के लिए उपस्थित हुए कलेक्टर दिनेश जैन के समक्ष ग्राम के किसानों ने खेत में आने-जाने के रास्ते की समस्या से अवगत कराया था। कलेक्टर ने उपस्थित नायब तहसीदार मुकेश सांवले के दल के साथ मौके पर जाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। राजस्व विभाग के दल ने तत्काल कार्यवाही करते हुए ग्राम चौकीदार विक्रमसिंह, उंकारसिंह की भूमि से आने-जाने के लिए किसानो के लिए रास्ता खुलवाया। साथ ही चौकीदार को हिदायत दी गई कि, आगे से वह अनावश्यक विवाद नहीं करे।

आने-जाने का रास्ता पाकर प्रभावित किसानों में खुशियों का संचार हुआ है। किसान जिला प्रशासन को त्वरित निराकरण के लिए धन्यवाद दे रहे हैं। रास्ता खुलवाने की कार्रवाई नायब तहसीलदार मुकेश सांवले, आरआई सुश्री आरती गोयल एवं हल्का पटवारी सुश्री निर्मला सोनानिया द्वारा की गई।

रावण का हुआ दहन, कोरोना के चलते इस वर्ष धूमधाम में रही कमी

माही की गूंज, अलीराजपुर। इस वर्ष कोरोना महामारी के चलते शासन की गाईडलाईन के अनुसार सांकेतिक रूप से त्योहार मनाया गया। प्रतिवर्ष नगरपालिका द्वारा 52-53 फीट के रावण का दहन किया जाता था, परंतु इस वर्ष उमराली रोड स्थित पूराने दशहरा मैदान पर 10 फीट के रावण का दहन औपचारिक रूप से किया गया। रावण का दहन सोमवार को पूराने दशहरा मैदान पर शाम साढे 6 बजे नगरपालिका अध्यक्ष सेना पटेल के द्वारा किया गया। सेना पटेल और सीएमओ अमरदास सेनानी द्वारा एक दिन पूर्व आमजनता से अपील की गई थी कि, इस वर्ष शासन की गाईडलाईन के अनुसार सीमित संख्या में प्रतिकात्मक रावण दहन कार्यक्रम रखा गया है। जिससे सिर्फ 50 लोगों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपंन होगा, इसलिए काफी कम संख्या में रावण दहन कार्यक्रम में लोग शामिल हुए। इस दौरान नपा उपाध्यक्ष मकु परवाल, पार्षद रितु डावर, कांती राठौर, सन्नी गोस्वामी, सीएमओ अमरदास सेनानी, सुनिल कापडिया सहित सीमित संख्या में शहरवासी उपस्थित थे।

दातला पुनः कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष नियुक्त

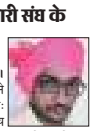

माही की गूंज, झाबुआ। प्रांतीय अध्यक्ष विजय मिश्रा ने गजराजसिंह दातला को पुनः मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला झाबुआ का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर जिले के समस्त कर्मचारी संघो के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दातला को बधाई दी गई।

कोविड-19 के बचाव के लिए रैली का किया आयोजन

कोविड-19 के बचाव के लिए नेहरू युवा केंद्र ने किया रैली का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। नेहरू युवा केंद्र झाबुआ द्वारा कोविड-19 के संक्रमण के बचाव के लिए जन जनागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मंगलवार को जिला युवा समन्वयक प्रीति के मार्गदर्शन में झाबुआ के नेशनल यूथ वॉलेंटियर्स द्वारा रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से कोरोना से बचाव के लिए लोगों में जन चेतना लाई गई। कोरोना से डरे नहीं, कोरोना से लड़ना है, कोराना को भगाना है और जब तक दवाई नहीं तब तक कोई ढिलाई नहीं की थीम को लेकर अभियान चलाया गया। इस बीमारी के बचाव के लिए साबुन से हाथ धोना, मास्क लगाना तथा 2 गज की दूरी बनाए रखने के लिए लोगों को प्रेरित किया। यह रैली झाबुआ बस स्टेण्ड, सब्जी मार्केट तथा भीड़भाड़ वाली जगहों पर नेहरू युवा केंद्र के वालेंटियर द्वारा लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी गई तथा मास्क तथा पेपर सोप का वितरण किया गया। लोगों को इसके उपयोग के बारे में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही आने वाले त्यौहारो के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के बारे में जानकारी दी गई। नेहरू युवा केंद्र के नेशनल यूथ वॉलिंटियर रमेश पचाया, गणपत मेड़ा, अनीता, विमला, बुलबुल, रविना डाबी, मेहताब आदि ने इस जागरूकता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

समयावधि पत्रों के निराकरण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दे- कलेक्टर सिंह

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर ने बैठक में मौजूद अधिकारियों को दिताई शपथ

कलेक्टर रोहित सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में समयावधि पत्रों तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाईन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की विभागवार समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

इस बैठक में शालाओं के परिसरों में अतिक्रमण की स्थिति की जानकारी ली और शाला परिसरों को अतिक्रमण से मुक्त कराने की कार्यवाही करने के निर्देश सिंह ने दिए। कलेक्टर सिंह ने खाद्यान्न पर्ची में आधार सीडिंग के कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और इस कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए है। साथ ही पात्र हितग्राहियों के नाम जोड़ने तथा अपात्र हितग्राहियों के नाम विलोपित करने का कार्य 3 दिवस में पूर्ण कराने के निर्देश दिए है।

अपूर्ण कूपों को पूर्ण करने के निर्देश

कलेक्टर सिंह ने कपिलधारा योजना के अंतर्गत स्वीकृत कूपों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की और अपूर्ण कूपों का निर्माण कार्य अभियान चलाकार पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए है कि नगर में साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। साथ ही विद्युत व्यवस्था निरंतर बनी रहे। इस पर भी ध्यान दें। उन्होने पूर्व बैठक में नवाचार के कार्य की प्रगति की विभागवार समीक्षा की तथा निर्देश दिए है कि सभी अधिकारी नवाचार के कार्य करें। इस बैठक में कलेक्टर सिंह ने कोविड-19 के संक्रमण के बचाव के लिए अधिकारियों को शपथ दिलाई। इस बैठक में खनिज विभाग तथा राजस्व विभाग के अमले द्वारा अवैध रेत परिवहन की रोकथाम के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए है कि रेत के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिए विशेष मूहिम चलाएं। इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद शिशिर गेमावत, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला अनिल भाना, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर एलएन गर्ग, डिप्टी कलेक्टर ज्योति परते, डॉ. अभयसिंह खरड़ी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

फुलपगारे झाबुआ तथा सिसोदिया दाहोद के जिलाध्यक्ष मनोनीत

माही की गूंज, झाबुआ। विजयदशमी के शुभ अवसर पर स्थानीय सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित रोटरी सदन में महिष्मति कला मंच की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ। उक्त बैठक महिष्मति कला मंच के क्षेत्रीय प्रभारी यशवंत भंडारी की उपस्थिति तथा डॉ. जय वैरागी की अध्यक्षता में हुआ।

शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ। बैठक में स्थानीय साहित्यकारों की उपस्थिति में काव्य गोष्ठी के साथ साहित्य तथा संस्था को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर महिष्मति कला मंच के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र श्रीवास्तव द्वारा उक्त संस्था का विस्तार करते हुए साहित्यकार एमएल फुलपगारे को झाबुआ तथा प्रसिद्ध कवि दिपेन्द्र सिसोदिया को दाहोद (गुजरात) का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। बैठक के बाद संस्था के दोनों नवनियुक्त जिलाध्यक्षों का उपस्थित साहित्यकारों ने सहर्ष नियुक्ति-पत्र के साथ पुष्पमालाओं से स्वागत किया। इस अवसर पर साहित्यकार पीडी रायपुरिया, यशवंत भंडारी, डॉ. जय बैरागी, प्रदीपकुमार अरोरा, निसार पठान तथा प्रवीण सोनी सहित कई रचनाकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्थानीय रचनाकारों ने अपनी शानदार रचनाएं भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन भंडारी ने किया तथा आभार सोनी ने माना।

मां सर्व मंगला देवी की आराधना करते हुए हवन का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

स्थानीय दशा नेमा समाज के श्री चारभुजानाथ मंदिर में शारदीय नवरात्र पर्व के दौरान देवी हवन का आयोजन हुआ। यह देवालय लगभग 156 वर्ष पुराना है। यहां नेमा समाज की कुलदेवी मां सर्व मंगलाजी की स्थापना दो वर्ष पूर्व की गई थी। तभी से यहां नवरात्र में नवचंडी पाठ तथा सप्तमी पर मां की प्रतिमा के सम्मुख हवन किया जाता है।

युवा आचार्य पं. हिमांशु शुक्ल ने बताया कि इस वर्ष भी शारदेय नवरात्र पर्व के दौरान पं. विश्वनाथ शुक्ल के मार्गदर्शन में विधि-विधान पूर्वक हवन किया गया। हवन के लाभार्थी पं. हिमांशु शुक्ल, शशिभाई वरदिया तथा अरूणा वरदिया, संजय शाह तथा उनकी धर्मपत्नि ने संपूर्ण विधि-विधान से हवन में आहूतियां प्रदान की।

समाज अध्यक्ष मनमोहन शाह ने बताया कि कोविड-19 के नियमों को ध्यान में रखते हुए नवरात्र में नौ दिनों तक पांच गरबे, पूजन तथा देवी हवन का कार्य रखा गया। जिसमें समाज के विभिन्न सदस्यों ने हवन दर्शन तथा कुलदेवी की आरती का लाभ लिया। सभी आयोजन को सफल बनाने में राजेन्द्र शाह, यश त्रिवेदी आदि का विशेष सहयोग रहा।

सांसद डामोर ने लिखा प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर पत्र, भीली भाषा में हो पढ़ाई, पाठ्यक्रम में करें शामिल

माही की गूंज झाबुआ ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्थानीय भाषा का समावेश हर क्षेत्र में किया गया है। आदिवासी क्षेत्रों की स्थानीय भाषा भीली है। इसे भी पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए, इसके लिए विशेष तैयारियों के तहत डिक्शनरी तैयार कर हिंदी और अंग्रेजी को भीली भाषा में रूपांतरित करने की ओर कार्य करना होगा।

रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र के सांसद गुमानसिंह डामोर ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है, साथ ही सांसद ने एक पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति आयोग को भी लिखा है। डामोर ने बताया कि, मातृभाषा और स्कूल की भाषा में अंतर होने से 25 प्रतिशत बच्चे सीखने की कमी का सामना करते हैं, इससे सबसे ज्यादा आदिवासी, सीमावर्ती क्षेत्रों और प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के अलावा वे बच्चे प्रभावित होते हैं जो स्कूल में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करते हैं, लेकिन घर या अन्य किसी मौके पर अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल नहीं करते हैं। डामोर ने कहा कि, शिक्षा में भाषाओं का मानचित्रण होना जरूरी है। मौखिक शिक्षण क्षेत्र में बच्चों की मातृभाषा को शामिल करने की शुरुआत होना सुखद पहलू है। बच्चों की शिक्षण सामग्री स्थानीय भाषा में तैयार की जानी होगी। शिक्षकों की भर्ती या किसी खास इलाके में तैनाती को उस क्षेत्र की स्थानीय भाषा से जोड़ा जा सकता है। पाठ्यक्रमों में भाषाई कौशल के विकास पर ध्यान दिया जाए।

मातृभाषा और स्थानीय भाषा को दी एहमियत

डामोर ने शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए बताया कि, सरकार की योजना है कि स्कूली शिक्षा से उच्च शिक्षा तक भारतीय भाषाओं को शामिल किया जाए। इसमें इंजीनियरिंग और मेडिकल पढ़ाई भी शामिल है। नई शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा में अब त्रिभाषा फर्मूला चलेगा, इसमें संस्कृत के साथ तीन अन्य भारतीय भाषाओं का विकल्प होगा। सरकार ने पांचवीं क्लास तक मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का माध्यम रखने की योजना बनाई है, इसे कक्षा आठ या उससे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। विदेशी भाषाओं की पढ़ाई सेकंडरी लेवल से होगी। नीति में अलग-अलग भाषाओं पर ही जोर दिया गया है, हालांकि नई शिक्षा नीति में यह भी कहा गया है कि किसी पर कोई भी भाषा थोपी नहीं जाएगी।

क्यों है मातृभाषा जरूरी

नई शिक्षा नीति में निचले स्तर की पढ़ाई के माध्यम के लिए मातृभाषा, स्थानीय भाषा के प्रयोग पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य बच्चों को उनकी मातृभाषा और संस्कृति से जोड़े रखते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाना है। अपनी मातृभाषा, स्थानीय भाषा में बच्चे को पढ़ने में आसानी होगी और वह जल्दी सीख पाएगा। छोटे बच्चे घर में बोले जाने वाली मातृभाषा या स्थानीय भाषा में जल्दी सीखते हैं, यदि स्कूल में भी मातृभाषा के साथ क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग होगा तो इसका ज्यादा प्रभाव होगा और वे जल्दी सीख पाएंगे और उनका ज्ञान बढ़ेगा। इसके साथ ही शिक्षा प्रणाली में भारतीय भाषाओं को शामिल करने का एक उद्देश्य उन्हें सहेजना और मजबूत बनाना है। शिक्षा में स्थानीय भाषा शामिल करने से लुप्त हो रही भाषाओं को नया जीवनदान मिलेगा और बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने में मदद मिलेगी।

मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा से छेड़छाड़ कर निकाली आंखे, युवक को किया गिरफ्तार

माही की गूंज, झाबुआ।

बहादुर सागर तालाब के पास बने सर्किट हाउस परिसर में स्थित हनुमान मंदिर की प्रतिमा से सोमवार सुबह छेड़छाड़ की गई, कोई व्यक्ति प्रतिमा की आंखें निकालकर ले गया। खबर मिलने पर शहर के हिंदू संगठनों ने विरोध दर्ज कराया वही राजवाड़ा से रैली निकालकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, जहां ज्ञापन भी दिया। घटना के बाद पुलिस ने सर्किट हाउस से कुछ दूरी पर कॉलेज के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की विडियो खंगाली, जिसमें एक संदिग्ध युवक दिखा और उसके कपड़ों पर सिंदूर जैसा लाल रंग दिख रहा था, जिसके बाद पुलिस ने युवक को पकड़ लिया। पुलिस का कहना है कि, पकड़ा गया युवक तेरसिंह पिता नूरा भील निवासी पिपलिया पारा रोड का है, उसके हाथों व कपड़ों पर सिंदूर भी लगा हुआ था।

पागल कुत्तो के काटने से कई लोग घायल

माही की गूंज, कुंदनपुर। कृष्णपाल सिंह ठाकुर

पागल कुत्तो का आतंक लगातार बना हुआ है, कुत्ते के पागल हो जाने के बाद कई बार ऐसा होता है कि, अचानक राहगिरो को यह पागल कुत्ते काट लेते है। ऐसे ही कुत्ते के काटने के कई मामले पिछले कुछ दिनों से कई लोग कुत्तो के काटने से घायल हुए है, ऐसी स्थिती में आम लोगो को भी कुत्तो से सर्तक रहकर सुरक्षित रहने की आवश्यकता है। बतादे कि, परेशान ग्रामवासी ने एक पागल कुत्ते को मार डाला है, वही लगातार कुत्तों के काटने से लोगो का घर से निकलने में भी डर लगने लगी है।

उपचुनाव की तैयारी पूरी, दोनों दलों ने झोंकी ताकत

झाबुआ जिले के दोनों दलों के बड़े नेता मैदान में, निर्मला और गुमान के साथ प्रचार करने पर राजनीतिक चर्चा गर्म

माही की गूंज, बदनावर। डेरक न्यूज

प्रदेश में एक ओर कांग्रेस विधायको ने भाजपा का दामन थामने के बाद कांग्रेस पार्टी में खलबली मच गई है और पार्टी की उपचुनाव की तैयारी को गहरा धक्का लगा है, वर्तमान में जो विधानसभा की स्थिति हैं उसमें कांग्रेस के लिए एक-एक विधायक महत्त्वपूर्ण हो गया है, ऐसे में एक ओर विधायक के टूटने से कांग्रेस के मानसिक मनोबल में गिरावट आई हैं, फिर भी झाबुआ जिले के पेटलावद से लगी बदनावर विधानसभा सीट के लिए 3 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए अपनी-अपनी पार्टी के प्रचार के लिए जिले भर के नेताओ ने बदनावर क्षेत्र में डेरा जमा लिया है और यहां भी दोनो दलों के नेताओं में वर्चस्व की लड़ाई हो रही हैं।

झाबुआ जिले के छोटे-बड़े सब नेता चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतरे

बदनावर सीट पर होने वाले चुनाव के लिए झाबुआ जिले के सभी भाजपा-कांग्रेस नेताओ ने बदनावर क्षेत्र में डेरा लगाया हुआ है, खासकर बदनावर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों की कमान जिले के नेताओ के पास है, कांग्रेस की ओर से झाबुआ विधायक कांतिलाल भूरिया, थांदला विधायक वीरसिंह भूरिया, पेटलावद विधायक वालसिंह मैड़ा, युवक कांग्रेस ओर कांतिलाल के पुत्र सहित कई बड़े पदाधिकारी चुनाव प्रचार में उतरे है तो, भाजपा की ओर से सांसद गुमानसिंह, पेटलावद की पूर्व विधायक निर्मला भूरिया, संगठन के कई पदाधिकारी भाजपा की ओर से मैदान संभाल रहै है और अपनी-अपनी पार्टी की जीत के दावे भर रहे है।

निर्मला ओर गुमान साथ मे प्रचार करते दिखे

भाजपा की और से पेटलावद की पूर्व विधायक निर्मला भूरिया ओर सांसद गुमान सिह बदनवार के ग्रामीण इलाकों में साथ मे प्रचार करते देखे जा रहे हैं, जो चर्चा का विषय है। सामान्यत: दोनों नेता पार्टी के प्रोग्राम तक मे एक साथ मंच साझा करते नही देखे जाते और जिन कार्यक्रमो में सामना होता वहा भी इनकी राजनीतिक दूरियां जग जाहिर होती है, लेकिन इसके उलट दोनों नेता फ्लिहाल अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ एक साथ मैदान में डटे हुए है, राजनीतिक गलियारों में दोनों नेताओं के साथ मे होने पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई है।

कैदियों को नहीं मिलेगी मतदान की सुविधा

सूत्रों के हवाले से मिल रही जानकारी के अनुसार इस बार भी जेल में बंद सजायाफ्ता और विचाराधीन बंदियों को विधानसभा उपचुनाव में मतदान करने की सुविधा नहीं मिलेगी। बताया जाता है कि, ऐसा कोई नियम नहीं होने से जेलों में बंद कैदी मतदान प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकते हैं। बदनावर की उपजेल में इन दिनों करीब 95 कैदी बंद है तथा पिछले दिनों पकड़े गए कुछ आरोपियों को जिला जेल धार भी भेजा गया है।

संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा की मांग

विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कमलसिंह पटेल के निर्वाचन अभिकर्ता महेंद्र सुंदेचा द्वारा अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर विधानसभा उप निर्वाचन 202 को पत्र लिखकर मांग की है कि, संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था मुहैया करवाई जाए। उन्होंने बताया कि, बदनावर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 1 से 40 तक के मतदान केंद्र संवेदनशील है और इन केंद्रों पर हमेशा विवाद की स्थिति पैदा होती है, इसे देखते हुए इन केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

रोचक हुआ मुकाबला, दोनों दलों की असली परीक्षा

दोनों मुख्य दलों के मध्य चुनाव अब रोचक हो चला है, यहाँ से आने वाले परिणाम से दलों की मतदाताओं में पकड़ की सही जानकारी मिल सकेगी, क्योंकि हर बार बदनावर सीट पर होने वाले चुनाव में दोनों ही दलों के बागी मतदान को खासा प्रभावित करते हैं लेकिन ऐसा पहला मौका है जब यहां सीधा मुकाबला देखने को मिलेगा।

अंत मे...

मतदान से ठीक पहले दोनों ही दलों के बड़े नेता मैदान में उतर गए हैं, कांग्रेस की सरकार गिराने वाले जोतिरादित्य सिंधिया भाजपा के लिए मैदान में उतरे तो मुख्यमंत्री एक बार फिर सभा के लिए विधानसभा में पहुँचेगे, तो कांग्रेस पूरी तरह से पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भरोसे हो गया हैं।

2017 के भ्रष्टाचार का एक और मामला हुआ उजागर, नही बना अब तक रोड, राशि निकली

माही की गूंज, पेटलावद/बनी।

ग्राम पंचायतों में एक के बाद एक वर्ष 2017 के ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जहा भ्रष्टाचार की बड़ी इबारत लिखी गई है। अब तक एक या दो नही कम से कम 20 पंचायतो में ऐसे मामले सामने आए हैं जहा बिना कार्य किए ही राशि आहरण कर ली गई है, पंच परमेश्वर योजना के तहत सीधे ग्राम पंचायत के खाते में आने वाली राशि मे जमकर भ्रष्टाचार किया है, इस योजना से सीधे राशि निकालने के अधिकार का, ग्राम पंचायत सरपंच-सचिवों ने जमकर दुरूपयोग करते हुए भारी भ्रष्टाचार किया है।

विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत बनी में भी ऐसा एक मामला सामने आया है, वर्ष 2017 में स्वीकृत सीसी रोड जिसकी लागत लगभग 4 लाख रुपए थी और धर्मशाला से पुरषोत्तम के घर तक रोड, नाली सहित बनना था लेकिन वर्तमान स्थिति तक मौके पर न रोड है न ही नाली। ग्राम पंचायत ने पूरी की पूरी राशि डकार ली और किसी को हवा तक नही लगने दी। यहा के निवासी अब भी सोच रहे हैं यहां ग्राम पंचायत जल्द ही रोड बनावाएगी। जब लोगो से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि, हमको इसकी कोई जानकारी नही है कि रोड स्वीकृत होकर कागज पर बन गया हैं।

ग्राम पंचायत बनी के सचिव का कहना है कि, मेरे समय का रोड नही है न ही मेरी जानकारी में है, मैं आपको देख कर बताता हूं कि, जिस रोड की जानकारी आप दे रहे वो कोन सा है और बना या नही बना पर समाचार लिखे जाने तक कोई जानकारी सचिव ने नही दी।

धर्मांतरण को रोकने व अवैध चर्च बंद कराए जाने को लेकर दिया ज्ञापन

माही की गूंज, थांदला।

ग्रामीण अंचल में अवैध चर्च बनाकर सनातन आदिवासी लोगो को बिमारी से सुधारने आदि के नाम पर भ्रमित कर ईसाई मिशनरियों द्वारा धर्मांतरण कराया जा रहा है। यह आरोप हिन्दू युवा जनजाति संगठन ने लगाया है। इस संगठन ने कलेक्टर के नाम थांदला एसडीएम को एक ज्ञापन सोपा है। ज्ञापन में कहा कि, ईसाई मिशनरियो द्वारा बनाए गए अवैध गिरजा घर (चर्च) बंद हो, क्योंकि इन चर्चों में धर्मांतरण का खेल खेला जा रहा है। हर रविवार को इन अवैध गिरजा घरों में बाहर से आए ईसाई लोग जनजाति भाईयो को बहला-फुसला कर उनका ब्रेनवाश कर धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि, इनका यह कार्य पुर्ण नियोजित होता है। पहले ये गांव में सेवा के नाम पर जाते है, फिर उस गांव में अवैध चर्च बनाकर वहा के लोगो को हर रविवार को बुलाकर चगांई, बिमारी सुधारने के नाम पर धीरे-धीरे धर्मांतरण किया जाता है। इसके अलावा झाबुआ अनुसूचित क्षेत्र में आता है, यहां चर्च नहीं बनाना चाहिए क्योंकि ये आदिवासियों की सस्कृती का हिस्सा नही है। यदि प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं देगा तो उग्र आंदोलन होगा। हिंदू युवा जनजाति संगठन के सभी कार्यकर्ता जिला महामंत्री जंगलसिंग वसुनिया, ब्लाक उपाध्यक्ष अकलेश रावत, सोनु वसुनिया, मुकेश भूरिया, राहुल कटारा, चंदन कटारा, राहुल खपेड, रमलेश भूरिया, पिंटु डामोर, कलसिंग सिंगाड, शुकला सिंगाड, नितेश भुरिया, दिपक कटारा, शांतिलाल भूरिया, तफन डामोर आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डॉ. तलेसरा बने गोल्ड मेडलिस्ट, हुआ सम्मान

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

नगर के डॉक्टर मासूम पिता महेंद्र तलेसरा ने यह कारनामा करके सारंगी ग्राम का नाम रोशन किया है। बता दें कि डॉक्टर मासूम तलेसरा ने अपनी पढ़ाई सारंगी जैसे छोटे स्कूल से शुरू की थी। डॉक्टर मासूम तलेसरा जबलपुर मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई कर गोल्ड मेडलिस्ट बने। जबलपुर में एसोसिएशन आर्फ आटोलरींगोलॉजिस्ट (एमपी स्टेट चैप्टर) कॉलेज में गोल्ड मेडलिस्ट अवार्ड डॉक्टर जेके शर्मा ने दिया। यह अवार्ड एमबीबीएस की डिग्री में सर्वाधीक नंबर से फाइनल ईएनटी 2019 की एग्जाम में 89 नंबर लाकर मध्यप्रदेश मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में टॉप रहने पर दिया गया। डॉक्टर तलेसरा को इस उपलब्धि पर ग्राम तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

महिलाओ ने बनाया रावण

माही की गूंज, झकनावदा।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के चलते हुए सरकार की गाइडलाईन अनुसार जो सार्वजनिक स्थान पर रावण दहन का आयोजन होता है वह इस बार नहीं हुआ। इस प्रक्रिया को निरंतर चलाते हुए आदिम जाति सेवा सहकारी समिति के सामने चौराहे पर मोहल्ले की महिलाओं द्वारा 6 फिट रावण का बनाया गया और रावण को मास्क भी पहनाया गया। जिससे यह संदेश दिया कि उक्त कोरोना महामारी अभी तक गई नहीं है, मास्क, सैनिटाइजर का उपयोग करें व सामाजिक दुरी का पालन करते हुए इस महामारी का सामना करें, महिलाओ द्वारा अनुपम सन्देश दिया गया, उसमें नन्ने-नन्ने बालकों द्वारा जय श्रीराम के नारे लगाए गए, व राम, लक्ष्मण, हनुमान जी की आकर्षक झांकियां बनाई गई। रात्रि में रावण दहन किया गया। इस अवसर पर हितेश्वरी राठौर, मीराबाई पटेल, ममता राठौर, ज्योति राव, कविता भाटी, दीपिका पवार वही राम, लक्ष्मण, हनुमान की वेशभूषा धारण करने वाले श्लोक राव, ईशान पंवार, आयुष पंवार, वीरू पंवार दीपक गारी आदी उपस्थित थे।

न्यायाधीश की प्लेट लगे वाहन से अवैध शराब जप्त

वाहन चेकिंग में शराब के साथ अन्य एक और मिली नम्बर प्लेट

माही की गूंज, अलीराजपुर। संजय गेहलोत/इरशाद मंसूरी

शराब माफिया अपने अवैध शराब के कारोबार को खुलेआम पुलिस की आंखो में धुल झोककर किस तरह से नए-नए इजात अख्तियार कर रहे है, पिछले वर्ष ही पुलिस की कार्य प्रणाली को धत्ता देते हुए अलिराजपुर में ही पुलिस एवं प्रशासनिक कार्यालयो के समक्ष ही अवैध शराब व अवैध शराब बनाने का बडा जखिरा पकडा था वही अब मुखबीर की सुचना पर न्यायाधीश की प्लेट लगाकर भी माफिया किस तरह से शराब का कारोबार पुलिस की आंखो में धुल झोककर कर रहे है या यू कहे कि, पुलिस को सब कुछ मालुम होते हुए भी अंजान बन रही है।

जिले की सबसे बडी ग्राम पंचायत नानपुर थाना अंतर्गत अवैध शराब का परिवहन करते हुए एक बोलोरो गाड़ी सहित एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मुखबिर की सुचना पर पुलिस ने कुश्ती की और से आ रही न्यायाधीश की लगी प्लेट के चार पहिया वाहन को जांच के लिए रोकने का प्रयास किया गया, मगर गाड़ी के ड्राइवर द्वारा तेज गति से चलाकर टोल प्लाजा के बेरीकेट तोड़कर लेजाने पर पुलिस द्वारा पीछा किया गया व चारो और से नाकाबंदी करने पर ग्राम सोलीया मे वाहन को पकड़ा गया। बोलेरो वाहन क्रमांक एमपी 09 डब्लयूबी 0672 जिसमे 20 पेटी माउन्ट बियर किमत तक़रीबन 48 हजार रुपए बताई जा रही है। तलाशी के दौरान एक न्यायाधीश लिखी नेम प्लेट व जिजे 06 आइके 8269 की भी प्लेट मिली, बोलोरो के ड्राइवर से पूछने पर अपना नाम-पता रामबिहारी पिता मेघसिंह भदौरिया (52) निवासी बाग होना बताया। वही वाहन में एक और अन्य नम्बर की प्लेट होना अन्य अपराध को भी अंगित करता है हो सकता है यह शराब माफिया चार पहिया वाहनो की चोरी कर नम्बर प्लेट बदल-बदलकर अपने अवैध करोबार को अंजाम दे रहे हो।

अब सवाल यह है कि, जिले मे अधिकारियों की प्लेट या मध्यप्रदेश शासन लिखी हुई कई वाहन घूमते है जो रात मे देखे जाते है, ऐसे मे पुलिस को चाहिए की एक मुहिम के साथ प्रशासनिक प्लेट वाली गाडियो की चेकिंग की जाए तो ऐसे कई माफिया पुलिस की गिरफ्त में आएगे।

अवैध कालोनी की कई शिकायतों के बाद जाच के लिए किया दल गठित

माही की गूंज, राजापुर।

शाजापुर मुख्यालय एवं आसपास 5 किमी की परिधि में आने वाले ग्रामों में भू-माफियाओं द्वारा बिना कॉलोनीनाइजर (रेरा) का लाइसेंस लिए व नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय देवास से आवासीय कालोनी निर्माण की स्वीकृति लिए बिना ही अवैध कालोनी बनाई जाने की शिकायते समाचार पत्रों व अन्य माध्यमों से प्रकाशित किए जा रहे है, इसे देखते हुए कलेक्टर दिनेश जैन ने शिकायतों की जाच के लिए अधिकारियों का दल गठित किया है। गठित दल में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शैली कनाश को प्रभारी बनाया है, दल में अनुविभागीय अधिकारी एसएल सोलंकी, तहसीलदार डॉ. मुन्ना अड़, जिला पंजीयक मुद्रांक कोविन्द स्वामी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी भूपेन्द्र दीक्षित को जाच हेतु नियुक्त किया है।

बता दे कि, यह दल प्राप्त सूचनाओं के आधार पर तत्काल जाचकर कार्रवाई करेंगे, स्थल निरीक्षण कर अवैध निर्माणों पर निगरानी व ऐसे अवैध निर्माणकर्ताओं के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई करेंगे। जाच में पाए गए विवादित सर्वे नम्बरों की रजिस्ट्री, नामांतरण आदि पर प्रतिबंध लगाएगे, सामान्य नागरिकों को अवैध भूखंड क्रय न करने के लिए सचेत करेंगे। जाच में अन्य आवश्यक विभागों के अधिकारियों को भी शामिल कर सकेगे, लेकिन गठित यह टीम अपनी जाच में किस तरह से निष्पक्षता के साथ भू-माफियाओ के विरूद्ध जाच करती है या फिर जाच के नाम पर लिपा-पोती जैसा कार्य करती है यह आमजन को तभी पता चलेगा जब जाच का खुलासा यह जाच टीम करेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422